आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 151

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

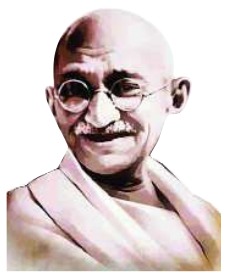

राष्ट्रपिता को नमन...

प्रशिक्षण, अनुशासन और बदजुबानी का लोकतांत्रिक संतुलन

अक्षय की बात

अपनों के साथ

राजनीति भी बड़ी अजीब चीज़ है। एक तरफ़ भारतीय जनता पार्टी जैसे दल अपने प्रशिक्षण शिविरों की तस्वीरें दिखाते हैं- साफ़-सुथरी कतारें, मंच पर अनुशासन के भाषण, और संगठन को 'कैडर-बेस्ड' बताने की गौरवगाथा। लगता है मानो यह कोई राजनीतिक दल नहीं, बल्कि किसी सैन्य अकादमी का आधुनिक संस्करण हो। लेकिन जैसे ही माइक ऑन होता है, कुछ नेता ऐसे शब्दों की बारिश कर देते हैं कि सुनने वाला सोचे- क्या यही उस प्रशिक्षण का 'प्रैक्टिकल' है? ऊपर से नीचे तक लीडरशिप की फौज है, हर स्तर पर संगठन का ढांचा मज़बूत बताया जाता है। फिर भी जब कोई जनप्रतिनिधि भाषण देता है, तो कभी-कभी शब्दों का स्तर इतना गिर जाता है कि लगता है जैसे अनुशासन छुट्टी पर चला गया हो और बदजुबानी ड्यूटी पर आ गई हो।

अब सवाल उठता है- इसे क्या माना जाए?

क्या यह वोटों का चक्र है?

जहाँ तीखे बयान सुर्खियाँ बनाते हैं, सुर्खियाँ चर्चा बनाती हैं, और चर्चा वोटों में बदलने की उम्मीद रखती है? या संगठन की कमजोरी है? जहाँ प्रशिक्षण तो है, पर उसका असर मंच तक पहुँचते-पहुँचते गायब हो जाता है? या फिर यह 'नियंत्रित अराजकता' है- जहाँ सब कुछ दिखने में बिखरा हुआ लगता है, पर अंदर ही अंदर एक सोची-समझी रणनीति चल रही होती है? लेकिन इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प किरदार है- जनता।

जनता न तो प्रशिक्षण शिविर में जाती है, न संगठन के ढांचे में शामिल होती है, लेकिन हर पांच साल में वह एक छोटा सा 'प्रैक्टिकल एग्जाम' लेती है। वहाँ न भाषण काम आता है, न बदजुबानी- सिर्फ़ काम और छवि की कॉपी चेक होती है।

और जब रिजल्ट आता है, तो बड़े-बड़े रणनीतिकार भी चौंक जाते हैं। इसलिए शायद लोकतंत्र का सबसे बड़ा व्यंग्य यही है-

नेता बोलते रहते हैं, और जनता चुपचाप नोट करती रहती है।

फिर एक दिन, बिना शोर-शराबे के, वह अपना जवाब दे देती है- बैलेट से, बैलेंस के साथ।

बंगले की सियासत : खाली करने का नोटिस मिलने पर उठाया सीएम के आवास का मामला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● विक्रम विश्वविद्यालय में सरकारी बंगलों पर अवैध कब्जे को लेकर प्रशासन सख्त है। भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय को नोटिस मिलने पर उन्होंने सीएम आवास पर सवाल उठाकर विवाद खड़ा कर दिया है। विश्वविद्यालय ने आलोट से भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय सहित 6 लोगों को बंगला खाली करने का अल्टीमेटम थमाया है। वहीं, मामला तब दिलचस्प हो गया जब विधायक जी ने अपना बचाव करने के बजाय सीधे मुख्यमंत्री के आवास पर ही सवाल दाग दिए।

अपात्रों को बाहर का रास्ता

हाल ही में विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया। तय हुआ कि जिन लोगों का विश्वविद्यालय से कोई आधिकारिक संबंध नहीं है, उनसे तुरंत आवास खाली कराए जाएंगे। जांच में सामने आया कि करीब आधा दर्जन सरकारी घरों पर बाहरी लोगों का कब्जा है। इस फेहरिस्त में सिर्फ विधायक ही नहीं, बल्कि पूर्व एडिशनल एसपी, असिस्टेंट प्रोफेसर और लेक्चरर जैसे रसूखदार नाम भी शामिल हैं।

कर्मचारी परेशान, रसूखदार ऐश में

विश्वविद्यालय प्रशासन की इस सख्ती के पीछे की वजह जायज है। वर्तमान में 50 से अधिक पात्र कर्मचारी और अधिकारी आवास के लिए आवेदन देकर कतार में खड़े हैं, जबकि बंगलों पर उन लोगों का कब्जा है जो अब संस्थान का हिस्सा भी नहीं हैं। प्रशासन अब इन सालों पुराने कब्जों को हटाकर अपने स्टाफ को राहत देने की तैयारी में है।

विधायक ने सीएम के बंगले पर उठाए सवाल

आलोट विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय को साल 2009 में ई-4 श्रेणी का आवास आवंटित हुआ था। इसका मासिक किराया महज 1620 रुपए है। रिकॉर्ड बताते हैं कि अक्टूबर 2023 में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने एक ही दिन में 9.09 लाख रुपए का बकाया जमा किया था। वहीं, इसके बाद से फिर किराया नहीं दिया गया। नोटिस मिलते ही विधायक ने इसे नैतिकता का मुद्दा बना दिया। उन्होंने सीधे तौर प र मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उज्जैन स्थित आवास पर टिप्पणी करते हुए कहाकि नैतिक सवाल यह भी है कि मुख्यमंत्री ने कुलपति का बंगला ले रखा है, जो एक लैंडमार्क भवन होता है। हम भी उन्हीं के पदचिह्नों पर चल रहे हैं।

पदोन्नति और बकाया का पेच

विधायक मालवीय का दावा है कि विश्वविद्यालय के साथ उनका कुछ हिसाब बाकी है। उनका कहना है कि 2010 में उनकी पदोन्नति होनी थी, जो 4 साल तक लंबित रही। इस देरी की वजह से उनका एरियर और अन्य भुगतान बकाया है। विधायक ने स्पष्ट कहा कि जब तक विश्वविद्यालय अपना हिसाब चुकता नहीं करता, वे बंगला खाली नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि मामले की गहराई से जांच हुई, तो यह काफी लंबा खींच सकता है।

एक महीने की डेडलाइन

कुलगुरु अर्पण भारद्वाज ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि नियम सबके लिए बराबर हैं। नोटिस पाने वालों को एक महीने का समय दिया गया है। विश्वविद्यालय की योजना है कि इन कब्जों को हटाकर पात्र कर्मचारियों को शिफ्ट किया जाए। साथ ही, परिसर के 21 ऐसे भवन जो रहने लायक नहीं बचे हैं और पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं, उन्हें जमींदोज करने की भी तैयारी है।

पांच और ठेकेदारों ने लगाए आरोप

पिता को रिश्वत के लिए किया था जलील बेटे ने रंगे हाथ पकड़वाकर लिया बदला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में लोक निर्माण विभाग के भ्रष्टाचार का ऐसा सिंडिकेट सामने आया है, जहां फाइल सरकाने के लिए चपरासी से लेकर बड़े अफसरों तक का हिस्सा तय है। महज 16 दिन के भीतर विभाग के 5 घूसखोर इंजीनियरों पर लोकायुक्त की गाज गिरी है। ताजा मामले में पीड़ित ठेकेदार राजपाल पंवार ने ईई, एसडीओ और सब-इंजीनियर को रंगेहाथ पकड़वाया है। वजह सिर्फ पैसा नहीं, बल्कि स्वाभिमान था। आरोपियों ने रिश्वत न मिलने पर ठेकेदार के बुजुर्ग पिता को बुलाकर अपमानित किया था, जिसका बदला बेटे ने लोकायुक्त के साथ मिलकर लिया। इस खुलासे के बाद 5 और ठेकेदार सामने आए हैं, जिन्होंने इन तीनों अफसरों पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं।

लोकायुक्त पुलिस ढाई महीने से इन भ्रष्ट अफसरों को ट्रैक कर रही थी। आरोपियों ने राजपाल के पिता को कार्यालय बुलाकर सिर्फ इसलिए जलील किया था क्योंकि वे रिश्वत देने में देरी कर रहे थे। आहत बेटे ने ठान लिया कि वह इन अफसरों को रंगेहाथ पकड़वाकर ही दम लेगा। मंगलवार को जैसे ही रिश्वत की रकम का लेन-देन हुआ, लोकायुक्त की टीम ने तीनों को दबोच लिया।

इंदौर ही नहीं, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, खंडवा, खरगोन और बड़वानी में इंजीनियरों के खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा शिकायतें लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू में लंबित हैं। इनमें सबसे गंभीर आरोप 'बिना काम किए भुगतान' और 'घटिया निर्माण' के हैं, जिसके कारण कई नई बिल्डिंगें कुछ ही महीनों में जर्जर हो गईं।

हर टेबल पर मांगी रिश्वत

शिकायतकर्ता राजपाल ने 4 करोड़ 73 लाख के रोड निर्माण का ठेका लिया था। जांच में सामने आया कि लोनिवि में भ्रष्टाचार का पूरा सिस्टम काम कर रहा है। काम की निगरानी करने वाले सब इंजीनियर अंशु दुबे ने रिपोर्ट सही देने के बदले 1 लाख रुपए मांगे। कार्यपालन यंत्री टीके जैन ने फाइल आगे बढ़ाने के लिए 1 लाख की डिमांड की। एसडीओ जयदेव गौतम ने भुगतान के एवज में 1.50 लाख रुपए मांगे। सूत्रों के मुताबिक, बिल जारी होने के बाद जब फाइल अकाउंट डिपार्टमेंट जाती है, तो वहां भी 50 से 75 हजार रुपए की 'एंट्री फीस' लगती है। हर भुगतान का 3 से 5 फीसदी कमीशन फिक्स कर दिया गया है।

56 दुकान के पास लगी आग : रेस्टोरेंट की चिमनी से बिल्डिंग में भरा धुआं, बाहर का शेड जला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● 56 दुकान के पास एक रेस्टोरेंट के बाहर बनी चिमनी में आग लग गई। आग के कारण यहां काफी धुआं फैल गया। नीचे चल रहे रेस्टोरेंट की चिमनी में अचानक आग लगी थी। शुरुआत में कर्मचारियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। बाद में फायर ब्रिगेड ने करीब 500 लीटर पानी डालकर आग बुझाई।

फायर ब्रिगेड के मुताबिक बुधवार शाम उन्हें न्यू पलासिया में पुष्प रतन साड़ी वाली बिल्डिंग में आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर करीब 500 लीटर पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। दमकल कर्मचारियों के अनुसार यहां नीचे 'टिक टिक्का' नाम का रेस्टोरेंट संचालित होता है, जिसकी चिमनी से अचानक धुआं निकलने के बाद आग लग गई। आग के चलते बाहर का पूरा शेड जलकर खाक हो गया। यह शेड सत्यम नाम के व्यक्ति का बताया जा रहा है। यहां दोनों तरफ अन्य रेस्टोरेंट भी हैं।

मौजूदा हालात में होर्मुज नहीं खुलेगा-ईरान

अमेरिकी नाकेबंदी खत्म हो तभी सीजफायर

कल इस्लामाबाद में यूएस -ईरान की बातचीत संभव

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) ● ईरान ने कहा है कि मौजूदा हालात में होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खोला जाएगा। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि सीजफायर के उल्लंघन के बीच यह संभव नहीं है।

गालिबाफ ने आरोप लगाया कि अमेरिकी नाकेबंदी ईरानी बंदरगाहों को निशाना बना रही है और यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को बंधक बनाने जैसा है। उन्होंने कहा कि पूर्ण सीजफायर तभी संभव है, जब नाकेबंदी खत्म हो।

दूसरी तरफ अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बैठक होने की संभावना है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की मध्यस्थता के बाद दोनों देश जल्द बातचीत की टेबल पर लौट सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी कहा है कि यह बैठक जल्द होना संभव है। तेहरान में मंगलवार को ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का एक बैनर लगा दिखा। तेल पर छूट बढ़ी: अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद पर लगी पाबंदियों में दी गई छूट को 30 दिन के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला करीब 10 देशों की मांग पर लिया गया है, जो तेल की कमी का सामना कर सकते हैं।

सिंघार बोले-बीना में चुनाव कराने से बच रही सरकार

इसलिए प्रकरण में की जा रही देरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बीना विधायक निर्मला सप्रे मामले को लेकर बुधवार को विधानसभा में स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने तथ्यों और सबूतों के आधार पर अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

इसके बाद सिंघार ने मीडिया से चर्चा में कहा कि बीना की जनता विधानसभा अध्यक्ष की ओर देख रही है और अपेक्षा कर रही है कि इस मामले में निष्पक्ष निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बीना में चुनाव कराने से बच रही है, इसी कारण इस मामले में जानबूझकर देरी की जा रही है। सिंघार ने कहा कि विधायक निर्मला सप्रे से जुड़े प्रकरण को भाजपा द्वारा लगातार लंबित रखा जा रहा है, जिससे बीना की जनता के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सभी तथ्यों और साक्ष्यों की जानकारी सार्वजनिक है, तो कार्रवाई में देरी क्यों की जा रही है। सिंघार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार ऐसे मामलों में 90 दिनों के भीतर निर्णय लिया जाना चाहिए, लेकिन ढाई साल बीत जाने के बाद भी कोई फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो इस मामले में हाईकोर्ट निर्णय लेगा।

न्यूज ब्रीफ

- मिर्जापुर में हुए सड़क हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख, किया मुआवजे का ऐलान
- बारामती : वोट डालने से पहले डिप्टी सीएम सुनेत्रा ने अजित पवार के स्मारक पर दी श्रद्धांजलि
- बंगाल : ममता बनर्जी के खिलाफ बीजेपी ने की आचार सहिंता उल्लंघन की शिकायत
- तमिलनाडु-प. बंगाल विधानसभा चुनावों की वोटिंग शुरू, सुबह 9 बजे तक बंगाल में 18.76%, तमिलनाडु में 17.69% मतदान
- दोगुनी कीमत पर रिकॉर्ड 25 लाख टन यूरिया आयात करेगा भारत
- नाइजीरिया : आतंकियों ने बोर्नो में एक गांव पर किया हमला, कई घरों को लगाई आग, 11 की मौत
- भारत के साथ जल्द सबमरीन डील साइन कर सकता जर्मनी : रक्षा मंत्री
- ट्रंप के शासनकाल में अवैध प्रवेश की तुलना में लीगल इमीग्रेशन में आई गिरावट
- उत्तराखंड : विधि-विधान के साथ आज खुलेंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

मास्टर प्लान की 23 सड़कें बननी थीं, 33 माह में 13 भी नहीं बनीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर में मास्टर प्लान की 23 सड़कों का निर्माण नगर निगम द्वारा किया जाना है। इसके लिए केन्द्र सरकार ने नगर निगम को 450 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता भी दी है, ताकि शहर में यातायात सुगम और नागरिकों को सड़क की सुविधा मिल सके, लेकिन बीते 33 माह में नगर निगम ने 13 मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण कार्य को आरंभ किया, लेकिन एक भी सड़क पर निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुआ है, जबकि सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए नगर निगम ने सैकड़ों मकानों को तोड़ा, अब अधूरा निर्माण रहवासियों के लिए बड़ी परेशानी बन रहा है। सड़क निर्माण नहीं होने कारण लोग घरों में दरवाजे, खिड़की नहीं लगा पा रहे हैं। पेयजल, सुरक्षा सहित अन्य असुविधा झेल रहे हैं।

मालवीय नगर निवासी अजय यादव ने बताया- दीपावली से पहले निगम ने कार्रवाई कर 350 मकानों के बाधक निर्माण हटाए थे। लगभग 6 माह का समय बीत चुका है। सड़क का निर्माण अधूरा है, जिसके चलते टूटे मकानों की रिपेयरिंग संबंधी निर्माण कार्य नहीं हो रहे हैं। घरों के खिडकी-दरवाजे तक नहीं लगा पाए हैं। वाहन रखने की जगह नहीं, घर से जाना मुश्किल है। पानी की लाइनें ठीक से नहीं डल पाई, जिससे जलसंकट भी बना है। ठेकेदार धीमी गति से काम रहा है, दो माह बाद बारिश आ जाएगी। इसी तरह रावजी बाजार सड़क का निर्माण कार्य भी धीमी गति से चल रहा है। सड़क अधूरी होने के कारण रहवासी और राहगीर दोनों परेशान है। जूनी इंदौर चौराहे से लेकर रावजी बाजार थाना तक सड़क बनाई जानी है।

इन सड़कों का निर्माण बाकी

- एडवांस एकेडमी से निपानिया होते हुए रिंग रोड तक।
- एमआर-5 बड़ा बांगडदा से प्रधानमंत्री आवास योजना की मल्टी तक।
- सांवेर रोड पेट्रोल पंप से शिव शक्ति नगर हनुमान मंदिर तक।
- एमआर-10 टोल नाका से ग्राम भांग्या-कुमेड़ी से होते हुए एमआर-12 तक।
- इंदौर बायपास (होटल प्राइड) से सिटी फॉरेस्ट व एलएचपी तक।
- एमआर-9 से एलआईजी लिक रोड वाया मालवीय नगर गली नंबर 2 तक।

इन सड़कों का निर्माण अधूरा

- वीर सावरकर प्रतिमा से नेहरू नगर रोड नंबर 9 होते हुए अटल गेट तक, यहां बाधक निर्माण हटाना बाकी।
- मधुमिलन चौराहा से छावनी चौराहा होते हुए जगन्नाथ धर्मशाला तक।
- जीपीओ से संयोगितागंज, छावनी, श्रद्धानंद मार्ग होते हुए सरवटे बस स्टैंड तक।
- जिसी चौराहा से सुभाष मार्ग होते हुए रामबाग पुल तक ।
- जिसी चौराहा (सुभाष मार्ग) से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक।
- मालवीय नगर-दीपावली से पहले कार्रवाई की थी, पर अभी तक काम पूरा नहीं हुआ है।
- सुभाष मार्ग से कंडिलपुरा होते हुए इंदौर वायर फैक्ट्री तक।
- गुटकेश्वर महादेव मंदिर किला मैदान रोड से जूना रिसाला होते हुए सदर बाजार तक।
- नेमीनाथ चौराहे से जिन्सी चौराहे तक सड़क का विकास कार्य।
- मच्छी बाजार चौराहे से चन्द्रभागा पुल तक सड़क का विकास कार्य।

जमजम चौराहे से स्टार चौराहे तक।

150 करोड़ के दोनों बस टर्मिनल जाएंगे ठेके पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्राधिकरण ने दो बस टर्मिनल तो बना दिए, मगर उनके संचालन-संधारण की व्यवस्था नहीं की। हालांकि एक बस टर्मिनल एआईसीटीएसएल को सौंपा था, जिसने कुछ ही दिन संचालन कर बंद कर दिया और अब आरटीओ ऑफिस के पास स्थित नायता मुंडला के 40 करोड़ रुपए की लागत से बने इस बस टर्मिनल को 20 साल के ठेके पर दे दिया है। दूसरी तरफ एमआर-10 कुमेड़ी में 110 करोड़ रुपए की लागत से बने आईएसबीटी के लिए भी आखिरकार पुणे की एक फर्म पात्र पाई गई है और संभवत: इसी फर्म को बोर्ड द्वारा 20 साल की अवधि के लिए संचालन-संधारण का ठेका सौंपने का फैसला लिया जा सकता है।

प्राधिकरण ने एमआर-10 पर एयरपोर्ट की तर्ज पर विशाल बस टर्मिनल निर्मित करवा दिया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इसका अवलोकन कर पसंद भी किया। मगर बीते 8 माह से यह बस टर्मिनल संचालन के अभाव में बंद पड़ा है। तीन बार पहले प्राधिकरण ने टेंडर बुलाए, मगर एक भी योग्य फर्म नहीं मिली। अब प्राधिकरण का कहना है कि पुणे का ग्रुप बीवीजी का टेंडर पात्र पाया गया है। उक्त ग्रुप 4.95 करोड़ रुपए की प्रीमियम राशि देने के अलावा 1 फीसदी की दर से रेंट यानि किराया भी चुकाएगा। चेन्नई और पुणे आईएसबीटी चलाने का इस ग्रुप के पास अच्छा अनुभव बताया जा रहा है। प्राधिकरण ने हालांकि टेंडर शर्तों में लगातार संशोधन किए और कुछ शर्तें आसान भी की, ताकि संचालन-संधारण के लिए कोई ना कोई निजी कम्पनी मिल सके। वहीं इस आईएसबीटी को मेट्रो से भी कनेक्ट किया गया है।

- नायता मुंडला का जिम्मा ठेकेदार फर्म को एआईसीटीएसएल ने सौंपा
- एमआर-10 कुमेड़ी के लिए भी प्राधिकरण को पुणे की एक फर्म ठेके के लिए पात्र मिली, बोर्ड करेगा फैसला

न्यूज ब्रीफ

बंजारा जनजाति समुदाय के मेधावी विद्यार्थियों की सम्मान हेतु प्रविष्टियां आमंत्रित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बंजारा विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू जनजाति समुदाय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बंजारा जन -विकास सेवा समिति इन्दौर एवं संस्था विचरती द्वारा इस वर्ष भी प्रदेशस्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है इसके लिए पात्र विद्यार्थीयों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश मानावत एवं संस्था विचरती के अध्यक्ष श्याम नायक ने बताया कि कक्षा 5, 8 वीं, 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले तथा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थी इस सम्मान हेतु आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी अपनी प्रविष्टियां संस्था कार्यालय 65,66, गीता नगर धार रोड पर अथवा मोबाइल नंबर 99260-500720 पर भेज सकते हैं। संस्था के अध्यक्ष जानकारी दी कि आगामी मई माह में आयोजित होने वाले भव्य समारोह में चयनित विद्यार्थीयों को सम्मानित किया जाएगा।

देश की 10 चयनित 10 'सेफ सिटीज' में धार शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2026 के लिए देश भर के 10 प्रमुख शहरों को 'सेफ सिटीज' परियोजना के अंतर्गत चयनित किया गया है, जिसमें मध्यप्रदेश से ऐतिहासिक नगरी धार को शामिल किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा शत-प्रतिशत वित्त पोषित इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए धार जिले को 10 करोड़ रुपये की राशि आवंटित किए जाने का प्रावधान किया गया है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए वर्ष 2013 में 'निर्भया फंड' की स्थापना की गई थी, जिसके बाद वर्ष 2015 में 'स्मार्ट सिटी मिशन' के माध्यम से शहरी विकास और सुरक्षा के मानकों को नया आयाम दिया गया। धार जिले में यह परियोजना न्यूनतम 05 वर्षों के लिए क्रियान्वित की जाएगी। इस योजना का मुख्य केंद्र बिंदु सार्वजनिक स्थानों को महिलाओं के लिए पूरी तरह भयमुक्त और सुविधायुक्त बनाना है।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर इंदौर में निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर 25 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर प्रांतीय राजपत्रित पशु चिकित्सक संघ एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग, इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में 25 अप्रैल शनिवार को एक नि:शुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर पशु चिकित्सालय राज मोहल्ला, एमओजी लाइन, इंदौर में प्रात: 9 बजे से प्रारंभ होकर 1 बजे तक रहेगा। शिविर में पशुपालकों एवं पशु प्रेमियों के लिए रेबीज टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य परीक्षण, कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ परीक्षण तथा नि:शुल्क औषधि वितरण जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस आयोजन का उद्देश्य पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के साथ-साथ पशुपालकों को उन्नत पशुपालन सेवाओं से जोड़ना है।

हल्दी, मेंहदी, लगाकर आया दुल्हा निकला झूठा

जनसुनवाई में आई शिकायत निकली गलत, दूल्हे के घर सहित 13 घरों का अतिक्रमण टूटा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला प्रशासन की जनसुनवाई में हलदी, मेहंदी और गले में माला पहने पहुंचे दूल्हे की शिकायत झूठी निकली। मंगलवार को जिस दुल्हें ने घर के सामने नाली की शिकायत की थी, प्रशासन जब वहां पहुंचा तो पता चला वह खुद नाले पर अतिक्रमण करना चाहता था। 25 को उसकी शादी है, जिन दंबगों के लिए उसने शिकायत की, वह भी उसके परिजन निकले। प्रशासन की टीम ने जांच के बाद बुधवार को उसके अतिक्रमण के अलावा नाले पर बने 12 से ज्यादा लोगों के अतिक्रमण हटाए।

ग्रामीणों ने इस कार्रवाई पर खुशी जताई, क्योंकि गांव में बारिश का पानी इन्हीं के कारण रूकता था। एसडीएम ने बताया कि दुल्हा खुद कुछ लोगों के कहने पर शादी और शिकायत के नाम पर नाले पर कब्जा करना चाहता था। कलेक्टर शिवम वर्मा को मंगलवार को एक दुल्हें ने शिकायत की थी। जांच के लिए एसडीएम प्रियंका चौरसिया को मौके पर टीम के साथ भेजा गया। मामला ग्राम अम्बामोलिया का था। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाकर रास्ते को सुगम बनाया।

हिट एंड रन केस

पेंटहाउस पर अब तक कार्रवाई नहीं : निगम के अफसरों ने दो बार चस्पा किए नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के लसूड़िया इलाके में इन्फोसिस इंजीनियर महिला की कार से कुचलकर हत्या के मामले में नया मोड़ सामने आया है। घटना के एक महीने बाद भी आरोपी के अवैध पेंटहाउस पर कार्रवाई नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं। लसूड़िया थाना क्षेत्र के निपानिया स्थित एक बिल्डिंग में पेंटहाउस में चल रही कथित अवैध गतिविधियों को लेकर 25 मार्च को रहवासियों और कुलदीप चौधरी के बीच विवाद हुआ था। इसी दौरान कुलदीप ने अपने बेटे मोहित को बुलाया।

आरोप है कि मोहित चौधरी ने पार्किंग में तेज रफ्तार कार दौड़ाते हुए शंपा पाठक को कुचल दिया। इस दौरान चौकीदार महिला रानू समेत अन्य लोग भी घायल हुए। घटना में शंपा पाठक की मौत हो गई। घटना के सीसीटीवी और अन्य वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी कुलदीप चौधरी और उसके बेटे मोहित चौधरी को गिरफ्तार कर लिया था। उस समय प्रशासन ने अवैध पेंटहाउस को गिराने की बात भी कही थी। मेयर पुष्यमित्र भार्गव के निर्देश के बाद 27 मार्च को नगर निगम ने 7 दिन में पेंटहाउस हटाने का नोटिस जारी किया था। इसके बाद दूसरी बार भी नोटिस चस्पा किया गया, लेकिन करीब एक माह बीतने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। रहवासियों का कहना है कि पुलिस ने कार्रवाई की जिम्मेदारी नगर निगम पर डाल दी, जबकि निगम की ओर से भी कोई कदम नहीं उठाया गया।

दैनिक इंदौर संकेत ● इंदौर। यह सड़क पल्हर नगर नगर निगम जोन से मात्र 100 मीटर की दूरी पर है। इस सड़क कर नगर निगम जोन के सभी कर्ता धर्ता रोज गुजरते है, पार्षद जो कि एम आई सी में है वे भी इस सड़क से रोज गुजरते है लेकिन इसके बाद भी जिम्मेदारों को सड़क पर फैली सामग्री नहीं दिख रही है।

हाईकोर्ट इंदौर में 'मध्य प्रदेश घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र' का उद्घाटन समारोह आज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर में आज 1:30 बजे 'मध्य प्रदेश घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव सचदेवा इस मध्यस्थता केंद्र का उद्घाटन करेंगे। यह समारोह उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर के सभागृह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया जायेगा। समारोह में न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

हिंदी साहित्य भवन में इंदौर अलंकरण से हुआ सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कवि, कला और कलाकार कल्याण कोष का आयोजन दिनांक 19 अप्रैल 2026 रविवार को हिंदी साहित्य भवन इंदौर में किया गया। इसमें अलग - अलग सेवा क्षेत्र की 151 से अधिक प्रतिभाओं को महारत्न इंदौर अलंकरण सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। प्रमुख अतिथि योगेंद्र महंत, पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त मध्यप्रदेश शासन प्रमुख अतिथि थे। मुख्य पंडित जगदीश पचौरी (समाजसेवी) तथा विशेष अतिथि शेखर चौधरी (नगर उपाध्यक्ष) भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा इंदौर एवं (प्रदेश उपाध्यक्ष) मध्य प्रदेश केन्द्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन दिल्ली एवं श्रीमती अनिता चौहान जॉइंट डायरेक्टर संभाग इंदौर, वहीं श्री वैष्णव सर बीआरसी इंदौर ग्रामीण एवं जय दुबे समाजसेवक इंदौर, डॉक्टर विजय कुमार सालवीय समाजसेवी इंदौर थे। शिक्षण, चिकित्सा, विधि, पर्यावरण संरक्षण, समाज सेवा, खेल, अभिनय, मंचीय काव्य, साहित्य, गायन, संगीत, पत्रकारिता एवं अन्य क्षेत्र के प्रतिभावान महानुभावों द्वार सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के अलावा भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। जिसमें प्रदेश और अन्य राज्य के 40 से अधिक कवियों व शायरों ने कविता पाठ और गीत ग़ज़ल सुनाई। आयोजन समिति के सुनील कुमार वर्मा मुसाफिर और मनोहरलाल सोनी बाबा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

नतीजों के शोर में दबी खामोश चीखें : क्या बच्चों की मार्कशीट उनकी जिंदगी से बड़ी है?

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हाल ही में बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित होते ही प्रदेश के हजारों घरों में खुशियों और मिठाइयों का दौर शुरू हो गया है, लेकिन इसी चमक-धमक के बीच एक गहरा सन्नाटा भी पसरा है । बाल मनोवैज्ञानिक डॉ विनी झारिया के अनुसार, यह सन्नाटा उन बच्चों के मन का है जो अपनी मार्कशीट हाथ में लिए माता-पिता की प्रतिक्रिया से डरे हुए हैं । आंकड़े डराने वाले हैं; मई 2025 में नतीजों के दिन ही प्रदेश में दो छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी । यह केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज और शिक्षा व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है ।

एनसीआरबी की रिपोर्ट चौंकाने वाली है, जिसके मुताबिक देश में आत्महत्या करने वाला हर दसवां छात्र मध्य प्रदेश से होता है । भोपाल में हुए एक शोध ने खुलासा किया है कि 10 में से 7 स्कूली बच्चे अवसाद (डिप्रेशन) के लक्षणों से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हमने अनजाने में बच्चों को यह सिखा दिया है कि उनकी कीमत केवल उनके अंकों से तय होती है । डॉक्टर, इंजीनियर या सीए आदि बनने के सामाजिक दबाव ने बच्चों के मौलिक सपनों—जैसे अभिनय, खेल या चित्रकारी—को पीछे धकेल दिया है ।

एकेडेमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स ने नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एकेडेमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स ने आगामी दो वर्षों, 2026-2027 के लिए अपनी नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया है। ए.आई.एम. दौड़ और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक गैर-व्यावसायिक संस्था है, जिसने सेंट्रल इंडिया में फिटनेस के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष के रूप में डॉ. अरुण अग्रवाल, मानद सचिव संदीप खण्डेलवाल, कोषाध्यक्ष आशुतोष सांघी, संयुक्त कोषाध्यक्ष वरुण बोकाड़िया, उपाध्यक्ष अशोक होलानी और प्रवीण पाराशर, रेस डायरेक्टर सुरेश लाहोटी, संयुक्त सचिव चंद्रेश झुरानी और डॉ. शिखा शर्मा, तथा रनर्स क्लिनिक के प्रभारी प्रियव्रत शाह शामिल हैं। संस्था के मुख्य संरक्षक कैलाश विजयवर्गीय ने नई टीम को अपनी बधाइयाँ और शुभकामनाएँ दी हैं।

मुनि संघ को छत्रपति नगर जैन समाज द्वारा ग्रीष्मकालीन वाचना हेतु श्रीफल भेंट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नमोस्तु शासन जयवंत। खंडवा से माँ अहिल्या की धर्मनगरी इंदौर के लिए मंगल विहार पर निकले श्रमण संस्कृति के महामहिम पट्टाचार्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी कुल गोरव शिष्य*श्रुत संवेगी मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 अप्रमित सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 सहज सागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री 105 श्रेयस सागर जी महाराज ससंघ से इंदौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर जाकर छत्रपति नगर जैन समाज एवं नगर के श्रावकों ने भेंट की।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने गोल्ड लोन के लिए 501 मौजूदा शाखाओं के सक्रियकरण की सफल घोषणा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक और एक दशक से अधिक समय में यूनिवर्सल बैंक में परिवर्तन के लिए सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त करने वाले पहले बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) ने आज गोल्ड लोन उत्पाद के लिए अपनी 501 मौजूदा शाखाओं के सफल सक्रियकरण की घोषणा की। यह पहल संस्थान-नेतृत्व वाले सुरक्षित ऋण वितरण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके माध्यम से देशभर में ग्राहकों तक तेज़, पारदर्शी और भरोसेमंद गोल्ड लोन सेवाएं पहुँचाई जाएंगी। नई जोड़ी गई शाखाएं रणनीतिक रूप से उन क्षेत्रों में स्थित हैं, जहाँ घरेलू स्तर पर सोने का स्वामित्व अधिक है और अल्पावधि, गारंटी-आधारित ऋण की निरंतर माँग बनी हुई है, जो भारत में सोने की एक विश्वसनीय वित्तीय संपत्ति के रूप में स्थायी भूमिका को दर्शाता है।

2 किमी क्षेत्र में सफाई कर प्लास्टिक कचरा एकत्र किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वर्ल्ड अर्थ डे के अवसर पर शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर द्वारा आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। होटल के 30 से 40 कर्मचारियों ने अभियान में भाग लेते हुए होटल परिसर के आसपास लगभग 2 किलोमीटर क्षेत्र में सफाई की और प्लास्टिक कचरे को एकत्र कर उसके उचित निस्तारण का संदेश दिया।

इस पहल का उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं था, बल्कि लोगों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी था। कर्मचारियों ने सड़क किनारे, सार्वजनिक स्थानों और आसपास के क्षेत्रों में फैले प्लास्टिक व अन्य कचरे को हटाकर जिम्मेदार नागरिक होने का संदेश दिया। शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर के जनरल मैनेजर नील जेम्स ने कहा, 'वर्ल्ड अर्थ डे हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी केवल संसाधन नहीं, बल्कि हमारी साझा जिम्मेदारी है। शेरेटन ग्रैंड पैलेस में हम सतत विकास और स्वच्छ वातावरण को अपनी कार्य संस्कृति का हिस्सा मानते हैं। इस अभियान के माध्यम से हमने अपने कर्मचारियों और समाज दोनों को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है।

छोटे कदम मिलकर बड़े परिवर्तन ला सकते हैं।'

द टॉपर्स हब कोचिंग का शानदार प्रदर्शन, क्षेत्र में फिर बना नंबर वन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस वर्ष घोषित बोर्ड परीक्षा परिणामों में द टॉपर'ह्य हब कोचिंग ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता साबित करते हुए पूरे क्षेत्र में नंबर 1 परिणाम हासिल कर इतिहास रच दिया है। संस्थान के बेहतरीन परिणाम ने शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छुआ है। इस वर्ष कोचिंग के 7-8 विद्यार्थियों ने अपने-अपने स्कूलों में टॉप कर संस्थान का नाम रोशन किया, वहीं 19 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की। एवं कुल 75+ विद्यार्थी को 80%+ अंक प्राप्त हुए है।

विशेष उपलब्धि हासिल करते हुए मुस्कान चौहान, शिखा साहू और यश कुशवाहा ने गणित विषय में 75 में से 75 अंक प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया। इससे पहले भी संस्थान के 5 विद्यार्थी अरुण गौर, प्रियांशु प्रजापत, नितिन सोलंकी, प्रणय नामदेव व जीतेंद्र चौहान ने भी गणित में 100/100 अंक प्राप्त किए। संस्थान के निदेशक अमित तिवारी एवं अमन तिवारी ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों के समर्पण का प्रतिफल है। कॉमर्स विभागाध्यक्ष नितिन चौहान ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस सफलता के पीछे संस्थान के अनुभवी शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनमें मुकेश ओझा (संस्कृत), बीना नेगी (हिंदी एवं सामाजिक विज्ञान), रोहित तिवारी (भौतिकी), दीपा मैम (अंग्रेजी) और ममता सिंह (अंग्रेजी) शामिल हैं। संस्थान की विशेषता केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ शिक्षा के साथ संस्कारों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। कोचिंग परिसर में भगवान गणेश जी की भव्य एवं आकर्षक प्रतिमा स्थापित है, जहाँ नियमित रूप से विद्यार्थी प्रार्थना करते हैं। यह वातावरण बच्चों को धार्मिक मूल्यों, अनुशासन और सकारात्मक सोच से जोड़ता है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव हो पाता है। अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए द टॉपर'ह्य हब कोचिंग की सराहना की है। इसी शानदार परिणाम के साथ संस्थान में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ भी हो चुका है, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रवेश लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। निस्संदेह, यह शानदार परिणाम आने वाले समय में अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और संस्थान को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएगा।

मुस्कान चौहान
75%

प्रिया कुमारी
92.2%

शैलेंद्र झा
91.4%

खुशी बिर्ला
91%

भुवनेश्वरी देशमुख
97%

मन्नत प्रजापत
93%

शारदा जायसवाल
93%

मुस्कान चौहान
75%

शिखा साहू
75%

यश कुशवाह
75%

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

संस्था जीवन प्रवाह द्वारा परिंदों के लिए मिटटी के सकोरों का वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संस्था जीवन प्रवाह ने अपने पर्यावरण हितैषी पुण्योदय प्रकल्प के तहत एक अभिनव निर्णय लेते हुए राजवाड़ा स्थित बस स्टैंड पर मूक परिंदों की सेवा के लिए मिटटी के 500 सकोरे, दाने के पैकेट और कपडे की थैलियों का वितरण कर जहाँ पशु-पक्षियों की सेवा का सन्देश दिया है वहीं जनमानस में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने का भी अनुकरणीय प्रयास किया है। संस्था के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार मेहता के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सचिव प्रकाश सोनी ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले 15 वर्षों से लगातार ग्रीष्मकाल में प्रतिवर्ष मूक परिंदों की सेवा के लिए मिटटी के सकोरों का निशुल्क वितरण अभियान चलाया जा रहा है।

29वां ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 1 मई से

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● खेलकूद विकास समिति की वार्षिक बैठक एक निजी होटल में हुई। इस बैठक में 29वें ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की घोषणा की गई, जो 1 मई से सावित्री बाई फुले शासकीय कन्या उमा विद्यालय में शुरू होगा। बैठक में अध्यक्ष मेहुल जैन ने कृष्णदास भगत, राजेंद्र जैन, मनोज मुंशी, समाधान निम्भोरकर, मुरलीधर पाटिल, विद्यानंद देशमुख, कय्यूम सुरूरी, दानिश अजीम, आरुष महाजन, अमर्ष अग्निहोत्री, अश्विन काटे और सूचिका दानेवाले जैसे नए सदस्यों का स्वागत किया। सर्वसम्मति से गजेंद्र पाटिल और समर्थ चिटनिस को समिति संरक्षक, अमर पाटिल को सचिव, दीपेश जाधव को कोषाध्यक्ष और सुनील गुजराती को संयुक्त सचिव मनोनीत किया गया। कोषाध्यक्ष विजय कुमार अगनानी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की अंकेक्षित बैलेंस शीट प्रस्तुत की।

पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग को नहीं दी गर्भपात की अनुमति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने दुष्कर्म से गर्भवती हुई एक नाबालिग बालिका को गर्भपात की अनुमति दी है। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि पीड़िता और उसकी मां को निचली कोर्ट से राहत न मिलने के कारण हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी। यह चिंताजनक है। निचली अदालतों को लेकर निर्देश भी दिए हैं। कहा है कि ऐसे मामलों में खुद विशेष पॉक्सो कोर्ट कानून और एसओपी का पालन करते हुए गर्भपात की अनुमति दे सकते हैं। इससे पीड़िताओं को अनावश्यक रूप से हाईकोर्ट तक न आना पड़ेगा। मामला रतलाम जिले का है। यहां जनवरी 2022 में 16 साल की नाबालिग से दुष्कर्म हुआ था। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और 506 सहित बालकों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) के तहत दर्ज किया गया।

घटना के बाद बालिका गर्भवती हो गई थी। तब 13 मार्च 2022 को औद्योगिक थाना रतलाम में एफआईआर दर्ज कराई गई। पीड़िता की मां ने विशेष पॉक्सो कोर्ट से गर्भपात की अनुमति मांगी थी लेकिन गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई।

पीड़िता के एडवोकेट नीरज सोनी ने बताया कि इस फैसले की खासियत यह है कि अब विचारण न्यायालय के सामने ऐसे मामले आते हैं तो वे एमटीपी एक्ट के दायरे में और एसओपी का पालन करते हुए पंजीकृत डॉक्टर को गर्भपात कराने की अनुमति दे सकते हैं।

विशेष पॉक्सो कोर्ट में पीड़िता की तरफ से तर्क दिए गए थे कि बालिका दुष्कर्म के कारण गर्भवती हुई है। अभी वह नाबालिग है। ऐसे में मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट 1971 (चिकित्सकीय गर्भ समापन अधिनियम, 1971, संशोधित नियम 2020 सहित) के प्रावधानों के तहत रजिस्टर्ड डॉक्टर्स को गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए। हालांकि, निचली कोर्ट ने क्षेत्राधिकार में नहीं होने के चलते यह आवेदन निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट ने याचिका में निचली कोर्ट आदेश को निरस्त करने के लिए कहा गया। साथ ही ऐसे मामलों में निचली अदालतों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की भी मांग की गई थी। मामले में सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने 1 दिसंबर 2025 को आदेश दिया था। जिसमें हुए स्पष्ट किया कि यदि ऐसे मामले कोर्ट के सामने आते हैं तो वे चिकित्सकीय गर्भ समापन अधिनियम, 1971 और उसके संशोधित नियम 2020 (उपनियम 1, 2, 6 और 7) के तहत रजिस्टर्ड डॉक्टर्स को गर्भपात की अनुमति दे सकते हैं।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया जाए और 'स्वप्रेरणा से लिया गया प्रकरण बनाम मध्यप्रदेश राज्य एवं अन्य' के पैरा 13 में दिए गए निर्देशों को ध्यान में रखा जाए। कोर्ट ने टिप्पणी की है कि दुष्कर्म पीड़िता और उसकी मां को निचली कोर्ट से राहत न मिलने के कारण हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी, जो चिंताजनक है। गर्भपात की प्रक्रिया पहले से ही मानसिक और शारीरिक रूप से संवेदनशील होती है, ऐसे में बार-बार कोर्ट के चक्कर लगाने और खर्च वहन करने से पीड़िता को अतिरिक्त पीड़ा झेलनी पड़ती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि विशेष पॉक्सो कोर्ट स्वयं कानून और एसओपी का पालन करते हुए ऐसे मामलों में गर्भपात की अनुमति दे सकते हैं, जिससे पीड़िताओं को अनावश्यक रूप से हाई कोर्ट तक न आना पड़े।

खास बात यह रही कि कोर्ट ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए पीड़िता की मां और उनके एडवोकेट सराहना की। यह टिप्पणी भी की कि डॉक्टरों और निचली कोर्ट को ऐसे संवेदनशील मामलों को गंभीरता से लेते हुए कानून के अनुरूप समय पर अनुमति देनी चाहिए।

दरअसल, गर्भावस्था के चिकित्सीय समापन अधिनियम, 1971 के तहत नाबालिगों (18 वर्ष से कम आयु) के लिए गर्भावस्था समाप्त करने के लिए कानूनी अभिभावक की लिखित सहमति आवश्यक है। यदि गर्भावस्था नाबालिग के शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करती है तो यह अधिनियम रजिस्टर्ड चिकित्सा चिकित्सकों द्वारा 20 सप्ताह तक गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति देता है। वहीं, 2021 के संशोधनों के तहत विशेष मामलों 24 सप्ताह तक गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति देता है। जिसमें नाबालिग भी शामिल हैं।

प्रदेश में मरीजों के परिजनों के लिए बनेंगे शेल्टर होम, सस्ती दरों पर रुकने और खाने की व्यवस्था मिलेगी

भोपाल (एजेंसी) ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट ने मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पतालों में मरीजों के परिजनों के लिए शेल्टर होम बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। शेल्टर होम में मरीज के परिजनों को रुकने और खाने की व्यवस्था सस्ती दरों पर मिल सकेगी। यह व्यवस्था निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में भी लागू होगी। बैठक में यह भी तय हुआ है कि अगले 5 सालों में सभी मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब और ऑर्गन ट्रांसप्लांट जैसी सुविधाओं के विकास पर करीब 2 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वहीं, राज्य में अलग-अलग निर्माण कार्यों के लिए करीब 33 हजार करोड़ रुपए के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। इधर, कैबिनेट ने फैक्टर-2 लागू करने का फैसला लिया है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को जमीन अधिग्रहण पर चार गुना तक मुआवजा मिलेगा। मध्य प्रदेश में पहली बार मरीजों के परिजनों के ठहरने के लिए शेल्टर होम बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में मरीजों के परिजन अस्पतालों में आते हैं, लेकिन उन्हें ठहरने के लिए भटकना पड़ता है। ऐसे में उनके लिए शेल्टर होम बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग चरणबद्ध तरीके से वर्तमान में संचालित 20 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए

सामाजिक संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित करेगा। सरकार केवल जमीन उपलब्ध कराएगी, जबकि भवन निर्माण से लेकर बिजली-पानी सहित सभी व्यवस्थाएं संस्थाएं स्वयं करेंगी। मरीजों के परिजनों के ठहरने और भोजन के लिए एक समिति न्यूनतम शुल्क तय करेगी। इस व्यवस्था में सामाजिक संस्थाएं लाभ कमाने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि समाजसेवा के भाव से सहभागी बनेंगी। उज्जैन क्षेत्र की 157 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजना को मंजूरी मिली है, जिससे 35 गांवों को लाभ मिलेगा। कैबिनेट ने पुनर्वास पैकेज के तहत छिंदवाड़ा जिले के लिए 128 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि मंजूर की है।

सीएम केयर योजना 2026 को मंजूरी: कैबिनेट ने सीएम केयर योजना 2026 की निरंतरता को मंजूरी दी है। इस योजना पर 5 सालों में 3628 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने बताया कि नारी शक्ति वंदन के तहत महिला सशक्तिकरण के लिए एक दिन का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा।

इंदौर में पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन, ओलंपिक कोच रौनक पंडित होंगे मेंटर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● चत्रभुज नरसी स्कूल, में 25 और 26 अप्रैल को पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता होगी। इस प्रतियोगिता में छात्र और वयस्क इस अनुशासित खेल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन का मार्गदर्शन ओलंपिक कोच एवं कॉमनवेल्थ स्वर्ण पदक विजेता श्री रौनक पंडित द्वारा किया जाएगा, जिनकी उपस्थिति प्रतियोगिता को विशेष गरिमा और उत्साह प्रदान करेगी। 25 अप्रैल को सुबह 10 से 11 बजे तक एक ओपन हाउस होगा, जिसमें श्री पंडित और अन्य ओलंपिक खिलाड़ी विद्यार्थियों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों के साथ बातचीत करेंगे। यह सत्र प्रतिभागियों को ओलंपियंस से सीधे जुड़ने का एक मौका करेगा। इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए चत्रभुज नरसी स्कूल की प्राचार्या, सुश्री जेरिन जैकब ने कहा, 'हमें इस प्रतियोगिता की मेजबानी करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। यह आयोजन विद्यार्थियों को अनुशासन और एकाग्रता के मूल्यों से परिचित कराने के साथ उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ियों के मार्गदर्शन से प्रेरित भी करता है। यह कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा को निखारने और उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

चत्रभुज नरसी स्कूल, इंदौर के बारे में

चत्रभुज नरसी स्कूल इंदौर एक प्रगतिशील शैक्षणिक संस्थान है, जो शिक्षा के समग्र दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। यह विद्यालय अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ खेल, कला और जीवन कौशल का संतुलित समावेश करता है। नवाचार और अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष जोर देते हुए, यह विद्यालय विद्यार्थियों को कक्षा के भीतर और बाहर दोनों ही क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के अवसर प्रदान करता है।

ई-रिक्शाओं के हुए रजिस्ट्रेशन, जोन अनुसार कलर करा रहे संचालक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ट्रैफिक पुलिस ने 6 हजार से ज्यादा ई-रिक्शाओं के रजिस्ट्रेशन करा लिए हैं। इन ई-रिक्शाओं का संचालन अलग-अलग जोन में किया जाएगा, जिसके लिए इन पर कलर कराए जा रहे। पिछले दिनों ट्रैफिक पुलिस ने अलग-अलग जोन में अलग-अलग कलर कोड तैयार किया था, जिसके आधार पर इन पर कलर कराए जा रहे हैं, आगामी 15 दिनों में ये व्यवस्था शुरू हो जाएगी। डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शहर को चार जोन में बांटा गया था। जिसमें अलग-अलग कलर कोड की ई-रिक्शाओं का संचालन किया जाएगा। एक महीने ट्रैफिक पुलिस ने संचालकों के साथ बैठक कर यह निर्णय ले लिया था। इसके बाद संचालकों को रिक्शाओं का थाने पर रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहा था। इसके लिए उन्हें समय भी दिया था।

उन्होंने बताया कि अब तक 6 हजार से ज्यादा ई-रिक्शाओं के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जिनके नहीं हुए हैं, उनके भी रजिस्ट्रेशन किए जा रहे हैं। कौन सी रिक्शा किस जोन में चलेगी उसके अनुसार उन पर कलर रोड किया जा रहा है, ताकि वह आसानी से पहचान में आ सके।

ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने के लिए शहर को संबंधित ट्रैफिक के 4 जोन के आधार पर 4 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इसमें जोन 1 में ब्लू, जोन 2 में येलो, जोन 3 में रेड और जोन 4 में व्हाइट कलर कोड की ई-रिक्शाओं का संचालन किया जाएगा। इसके पीछे का उद्देश्य है यह है कि शहर में बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था बन सके। जोनवार व्यवस्था होने से संबंधित जोन की ई-रिक्शा उसी जोन में चलेगी। अगर वह दूसरे जोन में संचालित होगी तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

मालेगांव ब्लास्ट केस- हाईकोर्ट ने ट्रायल रोका, 4 को राहत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मालेगांव में हुए ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अहम आदेश देते हुए निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी है। इस फैसले से महू के लोकेश शर्मा और देपालपुर के राजेंद्र चौधरी सहित धनसिंह और मनोहर नरवरिया को बड़ी राहत मिली है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने लोकेश, राजेंद्र और दिवंगत सुनील जोशी समेत अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। जांच का मुख्य आधार स्वामी असीमानंद का 2010 का बयान था, जिसमें उन्होंने धमाके में 'छह लड़कों' के शामिल होने की बात कही थी। हालांकि बाद में उन्होंने यह बयान वापस लेते हुए कहा कि यह दबाव में दिलवाया गया था। सुनवाई के दौरान आरोपियों के वकील कौशिक म्हात्रे ने कोर्ट में दलील दी कि मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं है। साथ ही, जिस बयान को अन्य अदालतें पहले ही खारिज कर चुकी हैं, उसके आधार पर आरोप तय नहीं किए जा सकते। हाईकोर्ट ने इन तर्कों को स्वीकार करते हुए ट्रायल पर रोक लगा दी।

लोकेश शर्मा और राजेंद्र चौधरी को 2013 में गिरफ्तार किया गया था और वे करीब 6 साल जेल में रहे। 2019 में हाईकोर्ट से जमानत मिलने के दौरान भी कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि बिना ट्रायल पूरा हुए इतने लंबे समय तक जेल में रखना उचित नहीं है। 8 सितंबर 2006 को महाराष्ट्र के मालेगांव में हमीदिया मस्जिद, कब्रिस्तान परिसर और मुशावरत चौक पर हुए सिलसिलेवार धमाकों में 31 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 300 से अधिक लोग घायल हुए थे। शुरुआती जांच में एटीएस ने 9 मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें 2016 में सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया था। बाद में जांच सीबीआई और फिर एनआईए को सौंपी गई। सितंबर 2025 में विशेष अदालत ने चारों आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जनवरी 2026 में हाईकोर्ट ने इस पर सुनवाई करते हुए फिलहाल ट्रायल पर रोक लगा दी है। एनआईए ने अपनी जांच में दावा किया था कि इन धमाकों के पीछे दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़े लोग शामिल थे। इसी कड़ी में इंदौर संभाग के लोकेश शर्मा, राजेंद्र चौधरी, धनसिंह और मनोहर नरवरिया को आरोपी बनाया गया था।सितंबर 2025 में विशेष अदालत ने इन चारों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिसे चुनौती देते हुए उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जनवरी 2026 में हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए वर्तमान कार्यवाही पर रोक लगा दी है, जिससे इस लंबी कानूनी लड़ाई में बड़ी राहत मिली है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

युद्धविराम बढ़ा, तनाव कायम! अमेरिका-ईरान टकराव सच में थमेगा या फिर सुलगता रहेगा संकट

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है। इससे उन आशंकाओं पर फिलहाल विराम लग गया है कि पश्चिम एशिया में फिर से बारूद बरसने लगेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से की गई इस घोषणा को अस्थायी रूप से भले ही एक अच्छी पहल माना जा रहा है, लेकिन जब तक दोनों पक्षों के बीच विवाद का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक युद्ध की चिंगारी अंदर ही अंदर सुलगती रहेगी। यही नहीं, युद्धविराम की अवधि बढ़ाने का फैसला तभी सार्थक साबित होगा, जब होर्मुज जलमार्ग को दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा, क्योंकि इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट पैदा हो गया है। इसका प्रभाव उन देशों पर भी पड़ रहा है, जिनका युद्ध से सीधे तौर पर कोई संबंध नहीं है। होर्मुज जलमार्ग को लेकर ईरान के अड़ियल रवैये के बाद अमेरिका की नाकेबंदी से हालात और जटिल हो गए हैं। ऐसे में जरूरी है कि अब दोनों पक्ष उस शांति वार्ता को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता दें, जो पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बेनतीजा रही थी। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्धविराम की अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी, जबकि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। अमेरिका चाहता था कि वार्ता आगे बढ़े, लेकिन ईरान ने अमेरिका की ओर से मिल रही धमकियों का हवाला देते हुए बातचीत की मेज पर आने की सहमति नहीं जताई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है। मगर, सवाल है कि ईरान की ओर से जो प्रस्ताव पूर्व में दिया गया था और जिसे पहले दौर की शांति वार्ता में रखा गया था, जब उस पर किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई, तो नए प्रस्ताव की स्वीकार्यता कैसे संभव हो पाएगी? क्या ईरान अपनी शर्तों में नरमी लाएगा या फिर अमेरिका अपने रुख में बदलाव लाने पर विचार करेगा? वर्तमान में दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह के तेवर दिखाए जा रहे हैं, उससे स्थिति सुधरने के बजाय जटिल होती जा रही है।

अनियंत्रित गेमिंग के दौर के बाद नियंत्रण का कड़ा अध्याय

रात की खामोशी अब विश्राम नहीं, बल्कि स्क्रीन की चमक में डूबकर एक नई सोच को जन्म दे रही है, जो अनजाने में पूरी पीढ़ी का मन गढ़ रही है। उंगलियों की निरंतर हलचल ने सोच की गहराई को कमज़ोर कर दिया है, और आभासी उपलब्धियों का आकर्षण वास्तविक जीवन की प्राथमिकताओं को पीछे धकेल रहा है। ऐसे नाज़ुक मोड़ पर 1 मई 2026 से लागू होने जा रहा ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ओजीएआई) केवल प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि डिजिटल अनुशासन को फिर से स्थापित करने का प्रभावी प्रयास है। यह पहल उस अनियंत्रित डिजिटल बहाव को थामने की शुरुआत है, जिसने युवाओं को लत, असंतुलन और मानसिक दबाव के जाल में फँसा दिया है।

डिजिटल जगत को संतुलित दिशा देने के उद्देश्य से प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 (प्रोगा) के तहत गठित ओजीएआई भारत के शासन में एक अहम बदलाव का संकेत है। यह स्वायत्त संस्था ऑनलाइन गेमिंग को तीन प्रमुख श्रेणियों में वर्गीकृत करेगी और रियल मनी गेम्स पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएगी। सुरक्षित सोशल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए रजिस्ट्रेशन को अधिकांश मामलों में स्वैच्छिक रखा गया है। ओजीएआई को सिविल कोर्ट के समान शक्तियाँ प्रदान की गई हैं, जिसमें गेम्स की राष्ट्रीय रजिस्ट्री तैयार करना, अनुपालन की निगरानी और अवैध गेम्स को ब्लैकलिस्ट करना शामिल है। वहीं, सुरक्षित और शैक्षिक खेलों को राष्ट्रीय रजिस्ट्री में शामिल कर उन्हें बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि गेमिंग केवल लत नहीं, बल्कि सीख और विकास का साधन बन सके।

स्क्रीन की चकाचौंध अब युवाओं को इस तरह बाँध रही है कि वास्तविक जीवन का संतुलन बिगड़ने लगा है। आज की युवा पीढ़ी जिस तरह ऑनलाइन गेमिंग के प्रभाव में फँसती जा रही है, वह महज़ सामाजिक चुनौती नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में चेतावनी दी गई है कि 15 से 29 वर्ष के युवाओं में अत्यधिक स्क्रीन टाइम और ऑनलाइन गेमिंग से चिंता, अवसाद, अनिद्रा और ध्यान की कमी तेजी से बढ़ रही है। रियल मनी गेम्स से होने वाला आर्थिक नुकसान परिवारों की स्थिरता को भी डगमगा रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण यह भी सुझाव देता है कि डिजिटल एडिक्शन से निपटने के लिए टेली-

मानस जैसे मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को और मजबूत किया जाए। ओजीएआई का हस्तक्षेप इस बिगड़ती परिस्थिति को संभालने की दिशा में एक ठोस और समयानुकूल पहल है।

नियमन की कसौटी पर खरा उतरने वाला ढांचा तभी सार्थक होता है, जब उसमें अधिकार के साथ जवाबदेही भी स्पष्ट हो—और ओजीएआई इसी संतुलन का सशक्त उदाहरण बनकर उभरता है। इसे सिविल कोर्ट के समान अधिकार प्रदान किए गए हैं, जिससे यह गेम्स के वर्गीकरण, पंजीकरण और अनुपालन की निगरानी प्रभावी ढंग से कर सके। केंद्रीय शिकायत निवारण तंत्र उपयोगकर्ताओं को त्वरित न्याय उपलब्ध कराएगा, जिससे उनकी समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से संभव होगा। साथ ही, पेमेंट गेटवे, ऐप स्टोर्स और अन्य डिजिटल मध्यस्थों को भी जवाबदेह बनाकर एक व्यापक और सुरक्षित गेमिंग पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया जाएगा, जो उपयोगकर्ता हितों की रक्षा सुनिश्चित करेगा।

डिजिटल अनुशासन और जिम्मेदार व्यवहार की स्पष्ट दिशा तय करते हुए ओजीएआई का आगमन परिपक्व और दूरदर्शी सोच का संकेत देता है। अब गेमिंग केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहेगा, बल्कि जिम्मेदारी, संतुलन और सजगता का विषय बनेगा। एडिक्टिव डिजाइन, लूट बॉक्सेस और भ्रामक विज्ञापनों पर कड़े नियंत्रण से उपयोगकर्ताओं को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय वातावरण मिलेगा। ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और सशक्त करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे, क्योंकि सरकार इसे प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता देकर प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम चला रही है। साथ ही, शैक्षिक गेम्स शिक्षा को रोचक, प्रभावी और सहभागितापूर्ण बनाकर डिजिटल दुनिया के सकारात्मक पक्ष को और अधिक स्पष्ट रूप से सामने लाएंगे।

परिवर्तन की इस व्यापक रूपरेखा के साथ चुनौतियों की परतें भी समान रूप से मौजूद हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विदेशी सर्वरों से संचालित अवैध प्लेटफॉर्म्स पर नियंत्रण स्थापित करना तकनीकी दृष्टि से जटिल कार्य है, जिसमें ओजीएआई आईटी एक्ट के तहत ब्लॉकिंग की सिफारिश कर सकता है। इसके साथ ही, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखना भी एक महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। छोटे डेवलपर्स के लिए अनुपालन सुनिश्चित करना कठिन हो सकता है, जिससे नवाचार प्रभावित होने की आशंका है। इसलिए ओजीएआई को लचीली और डेटा-आधारित नीतियां अपनानी होंगी, ताकि नियमन और रचनात्मकता के बीच संतुलन बना रह सके।

इस परिवर्तन की वास्तविक सफलता केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज की सक्रिय और जागरूक भागीदारी पर भी समान रूप से निर्भर करेगी। माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम पर सतर्क और संतुलित नियंत्रण रखना होगा, स्कूलों को जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सही दिशा और समझ विकसित करनी होगी, तथा मीडिया को भी इस विषय को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना होगा। जब समाज इस पहल को सकारात्मक रूप से अपनाएगा, तभी इसका व्यापक और प्रभावी परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। ओजीएआई वास्तव में एक सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है, जिसकी सफलता हर नागरिक की सहभागिता से ही सुनिश्चित हो सकती है।

जब भविष्य की दिशा तय होती है, तो कुछ तिथियाँ इतिहास में मील का पत्थर बन जाती हैं-1 मई 2026 भी ऐसा ही एक निर्णायक क्षण साबित होगा। ओजीएआई का प्रभावी क्रियान्वयन न केवल युवाओं को लत के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखेगा, बल्कि एक संतुलित, सुरक्षित और जिम्मेदार गेमिंग संस्कृति को भी सुदृढ़ करेगा। यदि यह पहल दूरदर्शिता और सतत प्रयासों के साथ आगे बढ़ती है, तो भारत वैश्विक परिदृश्य पर एक अनुकरणीय मॉडल बन सकता है। यह केवल एक नीति नहीं, बल्कि एक सशक्त संकल्प है-जो डिजिटल भारत को अधिक जिम्मेदार, सुरक्षित और जागरूक राष्ट्र में रूपांतरित करने की क्षमता रखता है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

प्रसंग वश -पुस्तक दिवस 23 अप्रेल

कृषि - अमोघ

पुस्तक 'कृषि अमोघ 'एक बेहद नए कलेवर में प्रकाशित की गई है । लेखक रमेशचंद्र तिवारी के सत्तर व अस्सी के दशक में पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित विभिन्न आलेख ,कविता ,समीक्षा , सुझाव आदि को मूल रूप में ही प्रस्तुत किया गया है। पन्ने पलटते ही पुराने दौर का सहज अहसास होता है।

प्रस्तावना प्रसिद्ध गांधीवादी ,से. नि. सह संचालक एच सी श्रीवास्तव ने लिखी तथा प्रसिद्ध साहित्यकार मनोहर दुबे ने विविध भूमिका । यह कृति निश्चित ही युवाओं , वरिष्ठजन, वस्तुत: सभी आयु वर्ग के लोगों पसंद आएगी ।

कृषि - स्तुति

पुस्तक 'कृषि स्तुति' में मूलत: कुल जमा पचास विभिन्न शीर्षकों से प्रसारित रेडियो टाक्स को सरलतम प्रश्नोत्तरी के रूप में प्रकाशित किया गया है । लेखक रमेशचंद्र तिवारी ने पूरी तन्मयता से पुरानी पारंपरिक खेती की तकनीक , जलवायु ,मृदा परीक्षण,किसान प्रशिक्षण , स्वस्थ बीज का महत्व ,जैविक खेती आदि का सचित्र विवरण किया है।

प्राक्कथन प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ.सतीश दुबे ने लिखा है । हालांकि वे अब इस दुनिया में नहीं है पर उन्होंने एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत कर प्राक्कथन लेख के शुल्क के रूप में लेखक से एक पौधा लिया ,जो उन्हें गमले सहित पहुंचाया गया । ये पर्यावरण प्रेमियों के लिए भी एक बेहतरीन संदेश था ।

यह पुस्तक कृषि के विद्यार्थियों ,महाविद्यालयों व कृषि महाविद्यालयों में संदर्भ पुस्तिका (रेफरेंस बुक) के रूप में बहुत उपयोगी साबित होगी और पर्यावरण,कर्मकारों के लिए एक संदर्भ स्मारिका के रूप में पठनीय और संग्रहणीय रहेगी ।

कृषक - संजीवनी

किसान आत्महत्या पर अंकुश सूत्र के रूप में लेखक ने तनाव व आत्महत्या संभावित दस कारण तथा उनके निराकरण के सुझाव टु समाधान के द्वारा एक लघु पुस्तिका के दो संस्करण प्रकाशित किए है ।

कुरुतियों,सामाजिक कार्यों के लिए ऋण,फसल हानि,अशिक्षा,संसाधनों की कमी ,सरकारी योजनाओ की जानकारी का अभाव मुख्य कारण बताए गए है ।

विदित है कि समाज सेवा भाव के दृष्टिकोण से चयनित ग्रामट्टपंचायतों में प्रथम संस्करण का निशुल्क वितरण भी किया गया ।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति और मानव अधिकार आयोग के न्यूज लेटर में लेखक के दीर्घकालीन अनुभव पर आधारित सुझावों को समाहित किया गया ।

लेखक -रमेशचंद्र तिवारी

आंचलिक

मिलावटखोरों पर सख्ती, डेयरी-रेस्टोरेंट्स पर छापे, खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

धार ●जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। बुधवार शाम को शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापे मारे गए। यह अभियान आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश के निर्देश और प्रभारी कलेक्टर अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन में चलाया गया।

शिकायतों के आधार पर, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी निर्मला सोमकुंवर और आरजी माऊटा के दल ने शहर की डेरियों, रेस्टोरेंट्स और मिठाई की दुकानों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान भोज अस्पताल चौराहा स्थित जय माता दूध डेयरी से दूध और पनीर के नमूने एकत्र किए गए। इंदौर-अहमदाबाद रोड पर स्थित माँ शारदा रेस्टोरेंट से भी पनीर का सैंपल लिया गया।

इसके अतिरिक्त, ग्राम सांभर में स्थित अजय मावा भंडार से मावा, पेड़ा और मिल्क केक के नमूने लिए गए। श्रीशुभ फ्रोजेन फूड्स से मिक्स्ड फ्रूट जेली, सीताफल पल्प और लीची पल्प के सैंपल भी जांच हेतु भेजे

गए हैं। सभी एकत्र किए गए नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है।

जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालकों के खिलाफ वैधानिक और न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

निगम का बजट पेश : 3.93 लाख की बचत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● नगर निगम का वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट बुधवार को पेश किया गया। इसमें 3 अरब 50 करोड़ रुपये की आय और 3 अरब 49 करोड़ रुपये के व्यय का अनुमान है, जिससे 3.93 लाख रुपये की बचत होगी। हालांकि, बजट सम्मेलन की तारीख आगे बढ़ा दी गई है और अब इस पर चर्चा 20 मई को होगी। यह निर्णय सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के छोटे भाई के निधन के कारण लिया गया। सम्मेलन परमानंद गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम के सभागृह में आयोजित किया गया था, लेकिन दोपहर में इसे आगे बढ़ा दिया गया। महापौर माधुरी पटेल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल राजस्व पूंजीगत आय 3 अरब 50 करोड़ 56 लाख 28 हजार 404 रुपये अनुमानित है। वहीं, कुल

राजस्व व्यय 3 अरब 49 करोड़ 52 लाख 35 हजार 171 रुपये होगा, जिसके परिणामस्वरूप 3 लाख 93 हजार 233 रुपये की बचत होगी। यह बजट अभी पारित नहीं हुआ है और इस पर विस्तृत चर्चा आगामी सम्मेलन में की जाएगी।

20 मई को होने वाले अगले सम्मेलन में पार्षदों की विभिन्न समस्याओं और मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। निगम अध्यक्ष अनीता यादव ने स्पष्ट किया कि सम्मेलन को रद्द नहीं किया गया है, बल्कि उसकी तारीख आगे बढ़ाई गई है। बजट सम्मेलन में निगमायुक्त संदीप श्रीवास्तव, निगम अध्यक्ष अनीता यादव और सभी वार्डों के पार्षद उपस्थित थे।

शंकर प्रकटोत्सव का समापन, अद्वैत के वैश्विक प्रसार का संकल्प लिया

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय शंकर प्रकटोत्सव (एकात्म पर्व) का समापन मंगलवार को भव्य रूप से हुआ। इस अवसर पर देश-विदेश से आए 700 से अधिक युवाओं ने 'शंकरदूत' के रूप में दीक्षा लेकर अद्वैत वेदांत के वैश्विक प्रसार का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, चिन्मय मिशन के पूर्व वैश्विक प्रमुख स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती, संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, दक्षिणामूर्ति मठ के प्रमुख स्वामी पूर्णानंद गिरी सहित कई संत, विद्वान और गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वीडियो संदेश के माध्यम से जगद्गुरु विधुशेखर भारती ने कहा कि आज ऐसे प्रकल्पों की अत्यंत आवश्यकता है, जो आदि शंकराचार्य के विचारों को विश्व स्तर तक पहुंचाएं। बताया कि शंकराचार्य ने भारत को एक सूत्र में

बांधने के लिए चारों दिशाओं में पीठों की स्थापना की थी, उसी परंपरा को आगे बढ़ाना समय की मांग है। स्वामी अवधेशानंद गिरि ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि शंकरदूत भारत तक सीमित न रहकर विश्व के हर कोने में अद्वैत का संदेश पहुंचाएं। उन्होंने शंकराचार्य की तुलना वेदव्यास से करते हुए कहा कि उन्होंने बिखरे ज्ञान को पुन: समाज तक पहुंचाया।

न्यास के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. यज्ञेश्वर शास्त्री ने बताया कि ओंकारेश्वर को एकात्मता के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां 108 फीट ऊंची 'एकात्मता की मूर्ति', शंकर संग्रहालय और अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान का निर्माण तेज गति से चल रहा है। न्यास के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. शैलेंद्र मिश्रा ने जानकारी दी कि 2027 में केरल के कालड़ी से केदारनाथ तक लगभग 17 हजार किमी लंबी 'एकात्म यात्रा' प्रस्तावित है, जिसमें कई आध्यात्मिक संस्थाएं भाग लेंगी। बीज वक्तव्य में स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती ने कहा कि यदि शंकराचार्य का प्राकट्य नहीं होता, तो ज्ञान अज्ञान के अंधकार में ही रह जाता। उन्होंने अद्वैत को जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सांसद के छोटे भाई ने किया सुसाइड, कुएं में कूदकर दी जान

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के छोटे भाई विश्वनाथ उर्फ बाडू पाटिल (58) ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने बुधवार तड़के करीब 4 बजे अपने गृह ग्राम बोहरडा में खेत के कुएं में कूदकर जान दे दी। घटना के बाद प्रशासन ने गोताखोरों की मदद से 3 घंटे की मशक्कत कर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है, वहीं दिल्ली में मौजूद सांसद पाटिल घटना की जानकारी मिलते ही बुरहानपुर के लिए रवाना हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही जिले के कलेक्टर हर्ष सिंह और बुरहानपुर एसपी देवेंद्र पाटीदार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे।

बुरहानपुर एसपी देवेंद्र पाटीदार ने कहा, सूचना मिली थी कि विश्वनाथ पाटिल मिसिंग है। पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में पता चला कि चप्पल उनके खेत के पास मिली। डेथ बॉडी निकाली। मर्ग कायम कर मृत्यु के कारणों की

जांच की जा रही है। इस घटना की जानकारी मिलने पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, जो कि दिल्ली में थे, तुरंत बुरहानपुर के लिए रवाना हो गए हैं। इधर, उनके गृह ग्राम बोहरडा स्थित निवास पर बड़ी संख्या में समर्थक और रिश्तेदार पहुंच गए हैं। घटना की खबर सुनकर नेपानगर विधायक मंजू दादू सहित कई भाजपा और कांग्रेस नेता भी सांसद निवास पहुंचे। सांसद निवास पर लोगों की भारी भीड़ और सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर पुलिस बल भी तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, दिवंगत विश्वनाथ पाटिल का अंतिम संस्कार गुरुवार को उनके पैतृक गांव बोहरडा में ही किया जाएगा।

दूध उत्पादन बढ़ाने की तैयारी तेज, 242 गांवों में लागू होगी क्षीर धारा ग्राम योजना

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए क्षीर धारा ग्राम योजना को गति देने की तैयारी शुरू हो गई है। मंगलवार को जिला पंचायत सीईओ मिलिंद नागदेवे की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और विभागीय समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई।

योजना के प्रथम चरण में जिले के 242 ग्रामों का चयन किया गया है, जहां चरणबद्ध तरीके से कार्य शुरू किया जाएगा। इन गांवों में पशुपालकों को तकनीकी मार्गदर्शन, स्वास्थ्य सेवाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि दुग्ध उत्पादन में स्थायी वृद्धि हो सके।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुंबई इंडियंस में मुकाबला

मुंबई (एजेंसी) • आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस के बीच गुरुवार को यहां के वानखेड़े स्टेडियम में मुकाबला होगा। इस सत्र में इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य ये मैच जीतना रहेगा। मुम्बई की टीम अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी। ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इस सत्र में दोनो ही टीमों ने अब तक छह में से केवल दो-दो मुकाबले ही जीते है। मुंबई इंडियंस को तीन मैचों में उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा है हालांकि गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में तिलक वर्मा के शानदार शतक से उसे जीत मिली थी जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इससे टीम अंक तालिका में 7वें स्थान पर है। वहीं सीएसके 8वें स्थान पर है। मुम्बई की बल्लेबाजी तिलक के अलाव सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या पर आधारित रहेगी। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा फिट नहीं होने के कारण इस मैच में भी नहीं खेलेंगे जिससे भी टीम को झटका लगा है। टीम की गेंदबाजी भी इसबार प्रभावी नहीं रही है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस बार असफल रहे हैं, इससे भी टीम की चिन्ताएं बढ़ी हैं। वहीं सीएसक की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही है हालांकि इस मैच में अनुभवी पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की वापसी की संभावनाओं को लेकर टीम में उत्साह है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब फार्म से टीम की परेशानी बढ़ी है। अब तक उसकी ओर से केवल संजू सैमसान ने दो अर्धशतक लगा पाये हैं। ऐसे में उनसे इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी की कमान अंशुल कंबोज के पास रहेगी। कंबोल ने इस सत्र में सबसे अधिक 13 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ऐसे में मुंबई के बल्लेबाजों को उनसे सावधान रहना होगा। दोनो टीमों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इनमें कुल 39 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 21 मैच जीते हैं, जबकि सीएसके ने 18 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो मुकाबला करीबी रहा है। मुम्बई की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल है, ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनना तय है।

अब तक खेलने का अवसर नहीं मिलने से निराश नहीं हैं होल्डर

मुंबई (एजेंसी) • आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम में शामिल वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने कहा है कि अब तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से निराश नहीं हैं। होल्डर ने कहा है कि वह अपनी ओर से पूरी तरह तैयार हैं और जो भी अवसर मिलेगा उसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। होल्डर के अनुसार उनका मुख्य काम केवल अपने को तैयार रखना है। अंतिम ग्यारह में किसे अवसर मिलता है ये उसका काम नहीं है। वहीं होल्डर को अब तक अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान हैं। इस सत्र में वह अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाये हैं। इस क्रिकेटर ने कहा , कब खेलना है, कौन खेलेगा इन बातों में वह नहीं पड़ते। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम की जरूरतें उनके लिए सबसे ऊपर हैं और वह किसी भी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चाहे वह बल्लेबाजी क्रम में कोई भी स्थान हो या गेंदबाजी में , होल्डर का कहना है कि अब उनका ध्यान हालातों के अनुसार अपेन को ढालने पर है। टीम जहाँ भी उन्हें इस्तेमाल करेगी, वही उनके लिए सही भूमिका होगी। टाइटंस ने अब तक के मैचों में अन्य विदेशी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है पर इस ऑलराउंडर को अवसर नहीं दिया है। हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली हार के बाद टीम संयोजन में बदलाव की संभावना प्रबल हो गई है, जिससे होल्डर जैसे खिलाड़ियों को मौका मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

आतिशी शतक से अभिषेक शर्मा ने कब्जाई ऑरेंज कैप

हैदराबाद (एजेंसी) • अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर करते हुए 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाकर ऑरेंज कैप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए है। यह उनका नौवां टी-20 शतक, उन्हें इस सीजन सात पारियों में 323 रन बना लिए। अभिषेक से तीन रन पीछे हाइनरिक क्लासन ऑरेंज कैप टेबल में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इस मैच में 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए और तीसरे विकेट के लिए अभिषेक के साथ 32 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की। तीसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल हैं, जिनके पांच पारियों में 265 रन हैं।

फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' का पहला गाना रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' के मेकर्स, टी-सीरीज़ और बी आर स्टूडियोज़ ने इस फिल्म का पहला गाना रूप दी रानी रिलीज़ कर दिया है। यह एक देसी, मस्ती भरा और अपबीट ट्रैक है, जिसमें आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आ रहे हैं ।यह एक हाई स्पिरिट डांस नंबर है, जो फिल्म के मज़ेदार माहौल को दिखाता है। रूप दी रानी को गुरु रंधावा और हीर ने गाया है, इसके बोल इंदीवर ने लिखे हैं, संगीत तनिष्क बागची ने दिया है और इस गाने का डांस बॉस्को लेस्ली मार्टिस ने कोरियोग्राफ किया है। गाने में एक कैची धुन और मजेदार डांस स्टेप हैं, जो शादी जैसे सीन की तरफ इशारा करते हैं। इसके रंगीन और एनर्जेटिक विज़ुअल्स फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ा देते हैं। गुलशन कुमार, बी आर चोपड़ा और टी-सीरीज़ प्रस्तुत, टी-सीरीज़ फिल्म्स और बी आर स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी 'पति पत्नी और वो दो' का निर्देशन मुदस्सर अज़ीज़ ने किया है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने किया है, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर जूनो चोपड़ा हैं। यह फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बढ़े वजन पर टिप्पणी करने वालों को पत्रलेखा ने दिया जवाब

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री पत्रलेखा को ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसने अभिनेत्री को अपनी चुप्पी तोड़ने पर मजबूर कर दिया। उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे थे, जिन्हें पत्रलेखा ने करारा जवाब दिया है। पत्रलेखा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक सशक्त पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यही उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा और प्राकृतिक कारण है। उन्होंने उन लोगों को निशाने पर लिया जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे थे और उनकी शारीरिक बनावट पर टिप्पणी कर रहे थे। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है, एक इंसान को बनाया है। पत्रलेखा ने गर्भावस्था के दौरान और उसके बाद शरीर में होने वाले बदलावों को पूरी तरह सामान्य बात बताया, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत टिप्पणी कर देते हैं, जिससे महिलाओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। उन्होंने फिर से दोहराया कि मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है, और यह मेरे शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। उन्होंने अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए कहा कि वह अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हैं और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हैं, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है।

उज्जैन संभाग

माइक्रोजेन हेल्थकेयर की अत्याधुनिक फैक्ट्री का ट्रायल रन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • विक्रम उद्योगपुरी स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क में माइक्रोजेन हेल्थकेयर की अत्याधुनिक फैक्ट्री में ट्रायल रन शुरू हो गया है। इस यूनिट में हाई-लेवल डिसइन्फेक्टेंट का उत्पादन किया जाएगा, जिसका उपयोग आईसीयू और ऑपरेशन थिएटर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में खतरनाक बैक्टीरिया और वायरस को खत्म करने के लिए किया जाता है। अब तक ऐसे उत्पादों के लिए विदेशी और मल्टीनेशनल कंपनियों पर निर्भरता रही है, जिसे यह यूनिट कम करने में अहम भूमिका निभाएगी।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक राजेश राठौड़ ने बताया कि कंपनी को करीब दो साल पहले 2.5 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा कर फैक्ट्री का ट्रायल शुरू करना कंपनी की कार्यक्षमता और औद्योगिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल निवेश के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि उज्जैन को मेडिकल डिवाइस निर्माण के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में भी बड़ा कदम है। इस यूनिट में हाई-लेवल डिसइन्फेक्टेंट के अलावा अन्य उत्पादों के निर्माण की भी संभावना है। फैक्ट्री के पूर्ण रूप से शुरू होने के बाद यहां निर्मित उत्पादों का निर्यात भी किया जाएगा। उद्घाटन अवसर पर कंपनी के चेयरमैन दिलीप पारिक और डायरेक्टर डॉ. आर.के. फरीदी मौजूद रहे। फैक्ट्री शुरू होने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। मेडिकल डिवाइस पार्क में फिलहाल 18 अन्य कंपनियों का निर्माण कार्य जारी है, जिनमें से कई इकाइयां इसी वर्ष उत्पादन शुरू करने की तैयारी में हैं। अनुमान है कि इस साल कम से कम 8 इकाइयों में उत्पादन शुरू हो जाएगा, जो मुख्य रूप से चिकित्सा उपकरण निर्माण से जुड़ी होंगी।

सिंहस्थ को लेकर पुलिस की ट्रेनिंग शुरू, मास्टर ट्रेनर होंगे तैयार, टेक्नोलॉजी पर रहेगा जोर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ के आयोजन में अब 718 दिन शेष हैं और इसके साथ ही प्रशासनिक तैयारियों ने गति पकड़ ली है। बुधवार को पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक भवन में विशेष पुलिस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम में डीजीपी कैलाश मकवाना विशेष रूप से शामिल होने उज्जैन पहुंचे थे। आयोजन को लेकर पुलिस विभाग ने अब जमीनी स्तर पर अपनी रणनीति लागू करना शुरू कर दिया है, ताकि आने वाले समय में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचा जा सके। पिछले सिंहस्थ के अनुभवों को आधार बनाकर इस बार अधिक व्यवस्थित और तकनीक आधारित प्रबंधन पर जोर दिया जा रहा है। प्रशासन का फोकस इस बार केवल भीड़ नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और बेहतर समन्वय पर भी है। यही कारण है कि प्रारंभिक चरण में ही प्रशिक्षण और संसाधनों के विस्तार पर काम तेज कर दिया है।

प्रशिक्षित बल के साथ उतरेगी पुलिस

पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस बार केवल तैनाती नहीं, बल्कि पहले से प्रशिक्षित और तैयार बल को मैदान में उतारा जाएगा। 'ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स' अभियान की शुरुआत उज्जैन से की गई है, जिसके तहत चयनित अधिकारी यहां प्रशिक्षण लेकर अपने-अपने जिलों में अन्य पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे। इस प्रशिक्षण में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और आमजन से व्यवहार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

तकनीक और बजट पर विशेष फोकस

इस बार सिंहस्थ में ड्रोन सर्विलांस, सीसीटीवी और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों को रणनीति का हिस्सा बनाया गया है। साथ ही, पुलिस विभाग ने करीब 750 करोड़ रुपए के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रस्ताव शासन को भेजे हैं। बाहरी जिलों से आने वाले पुलिस बल के लिए आवास और अन्य सुविधाओं की भी तैयारी की जा रही है।

साइबर वॉरियर्स पोर्टल की शुरुआत

कार्यक्रम के दौरान 'सिंहस्थ साइबर वॉरियर्स पोर्टल' का शुभारंभ भी किया गया। यह पोर्टल सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर नियंत्रण रखने और डिजिटल मॉनिटरिंग को मजबूत बनाने में मदद करेगा।

आरक्षक की मृत्यु, बेटे को अनुकंपा नियुक्ति

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • पुलिस ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए दिवंगत आरक्षक मयंक गिरवाल के 7 वर्षीय पुत्र वंश गिरवाल को बाल आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी है। यह नियुक्ति उनके पिता की मृत्यु के लगभग 10 महीने बाद हुई है। नीमच जिले में पदस्थ आरक्षक क्रमांक-525 मयंक गिरवाल का 12 जून 2025 को 32 वर्ष की आयु में गंभीर बीमारी के कारण निधन हो गया था। उनके निधन से परिवार पर आर्थिक संकट आ गया था, क्योंकि वह ही एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे।

परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को देखते हुए, उनकी पत्नी अर्चना गिरवाल ने अपने सात वर्षीय पुत्र वंश गिरवाल के लिए बाल आरक्षक पद पर अनुकंपा नियुक्ति हेतु आवेदन किया था। हालांकि, नीमच जिले में पद खाली न होने के कारण नियुक्ति में देरी हो रही थी।

इस बीच, उज्जैन जोन के अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को समझते हुए यह प्रकरण उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा को भेजा, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। 22 अप्रैल को परिवार उज्जैन पहुंचा, जहां सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं। डीजीपी के सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा बैठक के कारण पुलिस अधिकारी व्यस्त थे, फिर भी पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने समय निकालकर उज्जैन आईजी कार्यालय में नियुक्ति आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस प्रकार, पिता की मृत्यु के 10 महीने और 10 दिन बाद वंश गिरवाल को बाल आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई।

गैस एजेंसी संचालक और उपभोक्ता के बीच मारपीट, सिलेंडर नहीं मिलने से नाराज उपभोक्ताओं ने किया चक्काजाम

एलपीजी की किल्लत बनी हुई है। इससे परेशान उपभोक्ताओं का मंगलवार को गुस्सा फूट पड़ा। इस दौरान गैस एजेंसी के संचालक और उपभोक्ता के बीच मारपीट हो गई। हालात इतने बिगड़े कि नई सड़क स्थित बिजली घर के पास उपभोक्ताओं ने चक्काजाम कर दिया। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाया और फिर पुलिस की निगरानी में गैस सिलेंडर का वितरण हुआ। शहर में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। इससे आपूर्ति व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बहादुरगंज स्थित शिप्रा गैस एजेंसी पर एक उपभोक्ता और एजेंसी के संचालक के बीच मारपीट हो गई। इसके बाद लोगों ने अपने-अपने गैस सिलेंडर सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। चक्काजाम करने से कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा। मारपीट की सूचना पर पुलिस पहुंची और लोगों को समझाकर मामले को शांत कराया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में सिलेंडर के नंबर लगाने का काम शुरू किया गया। इस दौरान भी कई लोग विवाद करते नजर आए। आशिया खान ने बताया कि एक महीने से चक्कर लगा रही हूं टंकी नहीं मिल रही है। मकान मालिक चूल्हा नहीं जलाने दे रहे हैं। सिलेंडर नहीं मिलने से परेशान हैं। एजेंसी संचालक मारपीट कर रहे हैं।

शासकीय राशि के गबन में शिक्षा विभाग के पांच कर्मचारियों पर होगी एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर स्कूल शिक्षा विभाग में दो करोड़ 47 लाख का घोटाला सामने आया है। इस मामले में चपरासी से लेकर अतिथि शिक्षक तक शामिल हैं। सबसे बड़ा जादूगर चपरासी निकला है जिसने खाते में एक करोड़ 74 लाख ले लिए हैं। इंदौर स्कूल शिक्षा विभाग में शासकीय राशि को निजी खातों में शिफ्ट कर दो करोड़ 47 लाख का गबन किया गया है। इसमें से अभी तक 24 लाख 82 हजार की वसूली हो चुकी है। इस घोटाले की जांच कलेक्टर इंदौर शिवम वर्मा ने जिला पंचायत सीईओ आईएएस सिद्धार्थ जैन की मॉनिटरिंग में 10 सदस्यीय कमेटी बनाकर कराई। इस रिपोर्ट के आधार पर सीधे तौर पर पांच आरोपी जिम्मेदार हैं। इनके खिलाफ एफआईआर होगी। वहीं

इस दौरान खातों से राशि विड्रॉ करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर भी विभागीय जांच बैठाई जाएगी। इनके लॉगिन पासवर्ड का उपयोग कर राशि ट्रांसफर हुई है।

इन दो आरोपियों के खातों में भी पहुंची राशि–इसके साथ ही एक और भृत्य है पवन खामोद, इसके खाते में 32 हजार 800 रुपए आए हैं। सहायक ग्रेड टू छोटेलाल गौड़ की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन इनके खाते में भी एक लाख 16 हजार का फर्जी भुगतान हुआ है। साथ ही 13 अन्य खातों में भी 45 लाख 21 हजार की राशि ट्रांसफर की गई है।

इन सभी ने खातों में राशि को मंजूर किया–इस मामले में सीधे तौर पर पांच आरोपी हैं जिन पर एफआईआर होगी। वहीं जांच रिपोर्ट में इस राशि को ट्रांसफर करने की मंजूरी देने वाले उच्च अधिकारियों की कार्यशैली पर भी उंगली उठाई है। इनके लॉगिन पासवर्ड का ही उपयोग किया गया है और इसे मंजूरी दी गई है।

घोटाले के दौरान 26 अधिकारी-कर्मचारी रहे पदस्थ–कलेक्टर द्वारा इसमें साल 2017-18 से 2025-26 तक की जांच कराई गई है। इस दौरान विभाग में राशि की गणना करने वाले गणक से लेकर सहायक ग्रेड 1, 2 व 3 बाबू, भृत्य कुल 19 लोग शामिल हैं। वहीं साथ विड्रॉ को मंजूर करने वाले 7 अधिकारी हैं।

वेतन भत्तों से भी खेल–जांच कमेटी ने इसमें माइक्रो जांच की है। इसमें आया है कि जिन्हें आवास की पात्रता नहीं है उन्हें भी आवास भत्ता दिया गया, कई लोगों को नियम के परे किराया राशि दी गई, वाशिंग भत्ता जैसे मदों से भी खेल किया गया है और राशि ट्रांसफर की गई है।

जांच कमेटी में ये थे शामिल–जांच कमेटी में संभागीय संयुक्त संचालक कोष व लेखा दिव्या शर्मा के साथ ही मनीष दुबे, गुंजन तेजावत, प्रतीक गौड़, सजल सक्सेना, चेतना पटेल, सिम्पल पटेल, निधि कटियार, सुनंधा बघेल, अमान नकवी शामिल थे।

सबसे बड़ा खिलाड़ी निकला चपरासी

इस खेल में सबसे बड़ा खिलाड़ी विभाग का भृत्य सिद्धार्थ जोशी निकला है। इसने अपनी पत्नी, पुत्र के विविध आठ खातों में यह एक करोड़ 74 लाख 86 हजार की सरकारी राशि डलवा ली।

दो अतिथि शिक्षकों ने भी खातों में ली घोटाला राशि

इसके साथ ही जांच में आया कि अतिथि शिक्षकों को भी इसमें फर्जी भुगतान किया गया है। इसमें अतिथि शिक्षक मोहन दागी हैं जिनके आठ खातों में आठ लाख 41 हजार से अधिक का भुगतान हुआ है। हालांकि जांच बैठने पर इन्होंने यह राशि सरकार को वापस कर दी है। इसके साथ ही अतिथि शिक्षक केदारनारायण दीक्षित हैं जिनके दो खातों में 16 लाख 66 हजार की राशि आई है।

> सभी से सरकारी राशि की वसूली की जाएगी। इसमें दोषियों पर एफआईआर होगी और विभागीय जांच भी की जाएगी। इसमें कड़ी कार्रवाई के आदेश किए गए हैं।
> – शिवम वर्मा, इंदौर कलेक्टर

न्यूज ब्रीफ

आबकारी वृत्त आंतरिक 2 द्वारा दोपहिया वाहन सहित 75 पाव देशी मदिरा जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेशानुसार एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशन में इंदौर जिले में अवैध मदिरा के क्रय-विक्रय, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में मंगलवार को वृत्त आंतरिक 2 प्रभारी जया मुजाल्दे ने अपनी टीम के साथ बीजलपुर क्षेत्र में सायंकालीन गश्त के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना पर ट्रेजर टाउन कॉलोनी के पीछे छापरी नामक स्थान पर दोपहिया वाहन से 75 पाव देशी मदिरा मसाला व प्लेन के जब्त की गई। आबकारी का वाहन देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। आरोपी के विरुद्ध म.प्र.आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जब्त मदिरा एवं वाहन की कुल कीमत लगभग 86000 रुपए निकाली गई है। आज की कार्यवाही में वृत्त प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक जया मुजाल्दे एवं आबकारी आरक्षक उस्मान मिर्जा, एलन बघेल और ड्राइवर रफीक का सराहनीय योगदान रहा।

स्कूली बसों में लगाना होंगे स्पीड गवर्नर - बसों में सुरक्षा के अन्य प्रबंध भी जरूरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर कार्यालय में आज कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, कॉलेज संचालक, निजी शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विद्यार्थियों के परिवहन में उपयोग होने वाले वाहनों के सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश (गाईडलाइन) जारी की गई। इस गाईडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डीएवीवी के प्लेसमेंट में बढ़ोतरी, लेकिन हाई पैकेज वाली भर्ती अभी भी सीमित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के 2024-25 प्लेसमेंट में इस बार संख्या के लिहाज से सुधार दिखा है, लेकिन उच्च वेतन वाली कैंपस भर्ती अब भी सीमित बनी हुई है। यूनिवर्सिटी टीचिग डिपार्टमेंट्स में 271 कंपनियों ने हिस्सा लिया और कुल 1091 जॉब ऑफर्स दिए।

विश्वविद्यालय के अनुसार औसत पैकेज 5.3 लाख रु. प्रतिवर्ष रहा, जबकि अधिकतम पैकेज 72 लाख रु. तक पहुंचा। जेंडर भागीदारी भी संतुलित रही, जिसमें 56 प्रतिशत छात्र और 44 प्रतिशत छात्राएं शामिल रहीं। इंजीनियरिंग में आईईटी ने 421 ऑफर्स और 7.74 लाख रु. औसत पैकेज के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं मैनेजमेंट में आईएमएस को 312 ऑफर्स मिले, जिनका औसत पैकेज 6.84 लाख रु. रहा।

भर्ती प्रक्रिया में डॉयचे बैंक, मास्टरकार्ड, बार्कलेज जेडएस एसोसिएट्स बीएनवाई मेलॉन और (नोमुरा) जैसी कंपनियों की प्रमुख भूमिका रही। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया कि माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन गूगल और एक्स.कॉम अमेजन में चयन मुख्य रूप से ऑफ-कैंपस प्रक्रियाओं के जरिए हुए। पिछले वर्ष की तुलना में कंपनियों की संख्या 219 से बढ़कर 271 और ऑफर्स 1039 से बढ़कर 1091 हो गए हैं, जिससे भर्ती में धीरे-धीरे स्थिरता के संकेत मिलते हैं। हालांकि औसत वेतन में सीमित वृद्धि और कुछ ही हाई-पैकेज ऑफर्स पर निर्भरता यह दर्शाती है कि अधिकांश भर्ती अब भी मिड-रेंज नौकरियों में केंद्रित है। कुलपति डॉ. राकेश सिघई ने बताया कि रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए स्किल डेवलपमेंट, कोडिंग प्रोग्राम, अनिवार्य इंटर्नशिप और सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिग पर विशेष जोर दिया गया है। विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में कोर सेक्टर और हाई-पैकेज कंपनियों को आकर्षित करने पर भी फोकस कर रहा है।

271 कंपनियों ने 1091 जॉब ऑफर्स दिए

मुख्य बिंदु

271 कंपनियां : 1091
ऑफर्स
औसत पैकेज : 5.3 लाख रु.
अधिकतम पैकेज : 72 लाख रु.
आईईटी : 421 ऑफर्स
आईएमएस : 312 ऑफर्स
टॉप टेक चयन अधिकतर ऑफ-कैंपस
कोर जॉब्स सीमित, वॉल्यूम हायरिंग हावी

भागीरथपुरा कांड : जांच कमीशन ने फिर मांगा समय, हाईकोर्ट ने 14 जून तक मांगी रिपोर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पानी कांड में जांच आयोग ने फिर समय मांगा है। हाईकोर्ट ने रिपोर्ट पेश करने के लिए 14 जून तक की मोहलत दी है। मामले में 35 मौतों की जांच जारी है और अब रिपोर्ट पर 16 जून को अगली सुनवाई होगी।

इंदौर का भागीरथपुरा कांड – इंदौर नगर निगम के भागीरथपुरा वार्ड 11 में दिसंबर माह के अंत में दूषित पानी कांड हुआ था। इसमें अभी तक 35 लोगों की मौत हो चुकी है। इस मामले में हाईकोर्ट ने विविध याचिकाओं पर आदेश देते हुए 27 जनवरी को एक सदस्यीय न्यायिक जांच कमीशन बैठाया था। इसकी अध्यक्षता हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस सुशील गुप्ता कर रहे हैं। कमीशन को जांच रिपोर्ट 22 अप्रैल को पेश करना थी लेकिन एक बार फिर समय मांगा गया है।

जांच में समय लगेगा, 14 जून तक का समय–कमीशन ने 18 अप्रैल को हाईकोर्ट बेंच को पत्र लिखा और इसमें समय बढ़ाने की मांग की है। कमीशन का तर्क है कि इसमें विस्तृत रिपोर्ट लगेगी और कई पक्षों को जानना है। कमीशन के इस पत्र की जानकारी सामने आने के बाद हाईकोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जज आलोक अवस्थी की बेंच ने 14 जून तक रिपोर्ट पेश

करने के लिए कमीशन को कहा है। इस रिपोर्ट पर सुनवाई 16 जून को होगी।

मुआवजे से लेकर दोषी तक के बिंदु–हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त किए गए जांच कमीशन में कई सारे बिंदु हैं। इसमें यह पता लगाना है कि इस घटना के असली कारण क्या थे, किसकी वजह से यह हुआ, मौत का सही आंकड़ा क्या है, और पीड़ितों को कितनी मुआवजा राशि दी जानी चाहिए। इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया ने यह मुद्दा भी उठाया था कि इसमें किसी केमिकल के कारण यह घटना होने की आशंका है। इसे लेकर कमेटी के सामने भी शिकायत दी गई है। इसे भी जांच कमीशन देखेगा। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता अजय बागड़िया के साथ ही अधिवक्ता मनीष यादव व अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। वहीं इस केस में विविध इंटरविनर व अन्य मामलों में सुनवाई जारी रहेगी और अगले सप्ताह केस लिस्ट होगा।

औरंगपुरा गेहूं खरीदी में बड़ा घोटाला

असली किसान इंतजार करते रह गए और नेताजी का गेहूं बिना स्लाट तुल गया

- बिना स्लॉट बुकिंग के ही तौला 3200 क्विंटल गेहूं
- लापरवाह समिति प्रबंधक को किया निलंबित

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

देपालपुर तहसील स्थित औरंगपुरा प्राथमिक कृषि सहकारी संस्था में गेहूं खरीदी से जुड़ी गंभीर अनियमितता सामने आई है। समिति प्रबंधक मंगल सिंह राजपूत द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए बिना स्लॉट बुकिंग के बड़े पैमाने पर गेहूं की तुलाई किए जाने का मामला उजागर हुआ है। प्रशासन द्वारा इस मामले को संज्ञान में लेते हुए समिति प्रबंधक को निलंबित किया जाना यह दर्शाता है कि खरीदी प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही हुई है।

मामला उस समय उजागर हुआ जब समिति प्रबंधक द्वारा जिला प्रशासन से अधिक मात्रा में गेहूं खरीदी (वारदान/अनुमति) की मांग की गई। जांच के दौरान अनियमितताएं सामने आने पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए दो सर्वेयरों को भी निलंबित कर दिया है, जबकि मामले की आगे जांच जारी है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता बबलू जाधव, रामस्वरूप मंत्री, चंदनसिंह बड़वाया, शैलेंद्र पटेल, प्रवीण ठाकुर एवं सुभाष राठौर ने कहा कि जिले के छोटे और बड़े किसानों की स्लॉट बुकिंग नहीं हों रहें हैं। सेटेलाईट सर्व और सर्वर की समस्या, साइट बंद रहने और अनेक कठिनाइयों से जूझ रहे हैं, तब बिना स्लॉट के गेहूं की खरीदी होना व्यवस्था की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोगों के गेहूं की बिना स्लॉट बुकिंग के ही हजारों कुंटल तुलाई कर दी गई, जो पूरे सिस्टम में पक्षपात और भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। विशेष रूप से पंवार वेयरहाउस, बोरसी में हुए गेहूं खरीदी प्रकरण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि खरीदी व्यवस्था में व्यापक सुधार की अत्यंत आवश्यकता है। संयुक्त किसान मोर्चा ने यह भी कहा कि जिले में कई छोटे और मध्यम किसानों के स्लॉट समय पर बुक नहीं हो पा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक रूप से भारी परेशानी उठानी पड़ रही है और मजबूरी में उन्हें मंडी में औने-पौने दाम पर गेहूं बेचना पड़ रहा है।

संयुक्त किसान मोर्चा की प्रमुख मांगें

- गेहूं खरीदी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सरल बनाया जाए।
- तकनीकी समस्याओं (सर्वर, साइट आदि) का तत्काल समाधान किया जाए ताकि किसानों को राहत मिल सके।
- दोषी अधिकारियों एवं संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।
- संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रशासन से अपेक्षा की है कि इस प्रकार की लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो और किसानों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए।
- समिति प्रबंधक मंगल सिंह राजपूत ने कहा मेरी तरफ से कोई घोटाला नहीं किया गया मैंने स्लॉट बुकिंग वाले गेहूं ही तोले है मैने बारदान की डिमांड की थी ऊपर से अधिकारी चेक करने आए थे उन्होंने पंचनामा बनाया लेकिन ऐसा कोई घोटाला नहीं था फिर भी मुझे निलंबित किया गया

ऑक्सफोर्ड एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल

कक्षा 12वीं के सितारें

सुमित प्रजापति
84.2 प्रतिशत

माही साहू
80.4 प्रतिशत

माही कुशवाह
79.6 प्रतिशत

कक्षा 10वीं के गौरव

खुशी बिरला
90.8 प्रतिशत

हिमांशु मनकर
86.4 प्रतिशत

आयुष राय
86 प्रतिशत

अनुष्का अग्रवाल ने रचा इतिहास : जेईई मेन में 99.96 पर्सेंटाइल के साथ प्रदेश में टॉप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर की मेधावी छात्रा अनुष्का अग्रवाल (कक्षा 12) ने JEE Main परीक्षा में 99.96 पर्सेंटाइल हासिल कर मध्य प्रदेश में टॉप कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। उनकी इस शानदार सफलता ने न केवल उनके परिवार और स्कूल, बल्कि पूरे इंदौर शहर और प्रदेश को गौरवान्वित कर दिया है।

बताया जा रहा है कि अनुष्का शुरू से ही पढ़ाई में बेहद प्रतिभाशाली रही हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, मजबूत कॉन्सेप्ट, समय प्रबंधन और निरंतर अभ्यास को दिया है। परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया और अन्य व्यर्थ गतिविधियों से दूरी बनाकर पूरी तरह अपने लक्ष्य पर फोकस किया। स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने अनुष्का की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा, 'अनुष्का एक अनुशासित और समर्पित छात्रा हैं। उन्होंने हमेशा हर विषय को गहराई से समझने का प्रयास किया। उनकी यह सफलता स्कूल के लिए गर्व का विषय है और अन्य छात्रों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।' परिवार ने भावुक होते हुए कहा, 'अनुष्का ने दिन-रात मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया है। उसने कभी हार नहीं मानी और हर चुनौती का डटकर सामना किया। हमें पूरा विश्वास था कि वह कुछ बड़ा करेगी, और आज उसने उसे सच कर दिखाया।' अनुष्का की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो सफलता जरूर मिलती है। उनकी सफलता से प्रेरित होकर अब कई अन्य छात्र भी अपने सपनों को साकार करने के लिए नई ऊर्जा के साथ तैयारी में जुटेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।